www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

सूर्योदय सुबह 5:20 बजे
सूर्यास्त शाम 7:24 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-313 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • शुक्रवार 17, जुलाई 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू, बारिश भी नहीं रोक सकी आस्था का सैलाब

मूसलाधार बारिश के बीच 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे; कड़ी सुरक्षा और पारंपरिक अनुष्ठानों के साथ निकले तीनों रथ

एजेंसी | पुरी (ओडिशा)

भगवान जगन्नाथ की विश्वप्रसिद्ध वार्षिक रथयात्रा गुरुवार को ओडिशा के पुरी में पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ शुरू हो गई। लगातार भारी बारिश और जलभराव के बावजूद आस्था का उत्साह कम नहीं हुआ।

देश-विदेश से आए 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए पुरी की बड़दांडा (ग्रैंड रोड) पर विशाल जनसमूह के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। रथयात्रा की शुरुआत सुबह मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और 'पाहंडी बीजे' अनुष्ठान से हुई, जिसके तहत तीनों देवताओं को गर्भगृह से रथों तक लाया गया।

इसके बाद पुरी के गजपति महाराजा ने परंपरागत 'छेरा पहंरा' (स्वर्ण झाड़ू से रथों की सफाई) की रस्म निभाई। अनुष्ठानों के पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं ने विशाल रस्सों से रथों को खींचते हुए श्रीगुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा आरंभ कराई। पिछले करीब दो दिनों में पुरी में 200 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज की गई, जिससे कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी। इसके बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। 'जय जगन्नाथ' के उद्घोष, शंखध्वनि और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज के बीच हजारों श्रद्धालु बारिश में भी रथ खींचने के लिए उमड़े। प्रशासन ने यात्रा को सुचारु बनाए रखा।

यात्रा के दौरान भगदड़, 1 की मौत, 100 से ज्यादा जख्मी

पुरी। रथयात्रा के दौरान गुरुवार को भारी भीड़ के बीच भगदड़ जैसे हालात बन गए। हादसे में एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। कई श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने और दम घुटने की शिकायत के बाद उन्हें पुरी जिला अस्पताल व अन्य चिकित्सा केंद्रों में भर्ती कराया गया। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की पारंपरिक 'पहांडी' रस्म के दौरान दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एनडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं और भीड़ प्रबंधन व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। जब भगदड़ मची उस वक्त पुरी में तेज बारिश हो रही थी। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद थे। कई लोगों को सांस लेने में तकलीफ के चलते रेस्क्यू किया गया। शाम करीब 7.30 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ सका। कुछ ही मीटर चलने के बाद पहले दिन की यात्रा रोक दी गई।

न्यूज ब्रीफ

नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहली अंतराष्ट्रीय उड़ान

मुंबई| नवी मुंबई अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहली अंतराष्ट्रीय उड़ान के पहुंचने के साथ ही हवाई सेवाओं के नए दौर की शुरुआत हुई। अबू धाबी से आई फ्लाइट के लैंड करते ही एयरपोर्ट वैश्विक हवाई नेटवर्क से जुड़ गया। नया एयरपोर्ट मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर बढ़ते दबाव को कम करने में मदद करेगा। यहां आधुनिक टर्मिनल बनाया गया है।

जगराओं: कुत्तों के हमले में पूर्व सरपंच की मौत

लुधियाना| जगराओं क्षेत्र में आवारा कुत्तों के हमले में एक पूर्व सरपंच की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह रात में बाथरूम जाने के लिए उठे थे। बताया जा रहा है कि कुत्तों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में उनका एक बाजू बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उन्हें उपचार के लिए ले गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 8699221114 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT:
+91 6283 860 059

मोहाली में आयोजित कार्यक्रम में बोले मुख्यमंत्री- नई डिपो व्यवस्था से लाखों राशन कार्ड धारकों को मिलेगी सुविधा

पंजाब में खुलेंगे 2800 नए राशन डिपो, 5.5 लाख परिवारों को लाभ

सरकार ने डिपो लाइसेंस देने की प्रक्रिया शुरू की, मुख्यमंत्री मान ने कांग्रेस और मजीठिया पर भी साधा निशाना

समर न्यूज | मोहाली

पंजाब सरकार राज्य में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) को और मजबूत करने के लिए अहम कदम उठाया है। सरकार ने प्रदेश में 2800 नए राशन डिपो होल्डरों को लाइसेंस जारी किए। मोहाली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने नई डिपो व्यवस्था की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए राशन डिपो खुलने से प्रदेश के करीब साढ़े पांच लाख राशन कार्ड धारकों को फायदा मिलेगा। लोगों को अब राशन लेने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य गांवों और शहरों में राशन वितरण व्यवस्था को और मजबूत करना है।

वर्तमान में पंजाब में करीब 14 हजार राशन डिपो संचालित हो रहे हैं। इनके माध्यम से 'स्मार्ट राशन कार्ड स्कीम' के तहत लगभग 40 लाख परिवारों को मुफ्त गेहूं और 'मेरी रसोई' राशन किट उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का कहना है कि नई नीति के तहत आवंटित किए जा रहे

2800 डिपो में समाज के विभिन्न वर्गों को प्रतिनिधित्व दिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की ओर से डिपो आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार नए डिपो की जरूरत उन क्षेत्रों में अधिक महसूस की जा रही है, जहां मौजूदा डिपो पर राशन कार्ड धारकों की संख्या अधिक है या लोगों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस मौके पर सरकार की नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार आम लोगों की सुविधा और पारदर्शी व्यवस्था पर काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और जनकल्याण से जुड़ी योजनाओं में पंजाब लगातार सुधार कर रहा है। मान ने कहा कि नए राशन डिपो लाइसेंस देने का उद्देश्य केवल राशन वितरण बढ़ाना नहीं, बल्कि लोगों को उनके घरों के नजदीक सुविधा उपलब्ध कराना भी है।

कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ की चर्चा: भगवंत मान ने कांग्रेस में चल रही अंदरूनी खींचतान को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों में जनता के मुद्दों से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर संघर्ष चल रहा है। कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के लिए 500 करोड़ रुपये की चर्चा खुद कांग्रेस नेताओं की ओर से सामने आई है। मान ने आरोप लगाया कि यदि कोई व्यक्ति इतनी बड़ी रकम खर्च करके मुख्यमंत्री बनेगा तो वह बाद में पैसा वसूलने की कोशिश करेगा और इसका असर जनता की योजनाओं पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने साढ़े चार साल में वित्तीय व्यवस्था को बेहतर किया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने भ्रष्टाचार पर रोक लगाकर राजस्व बढ़ाया है।

मजीठिया पर भी बरसे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिअद के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि शिअद सरकार के समय नशे का कारोबार बढ़ा और इसमें कुछ नेताओं की भूमिका पर सवाल उठे। मान ने कहा कि मजीठिया जेल से बाहर आने के बाद ऐसे व्यवहार कर रहे हैं, जैसे उन्होंने कोई बड़ी राजनीतिक जीत हासिल कर ली हो। उन्होंने कहा कि वह जमानत पर बाहर आए हैं, किसी मामले में पूरी तरह बरी नहीं हुए हैं। अदालत का फैसला अपनी जगह है, लेकिन जनता की अदालत में भी जवाब देना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि यदि कांग्रेस, भाजपा या अकाली दल दोबारा सत्ता में आए तो आम जनता के लिए शुरू की गई योजनाओं को बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता, मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं आम लोगों के हित में हैं। मान ने कहा कि उनकी सरकार के खिलाफ लगातार आरोप लगाए जाते हैं, क्योंकि उनकी नीतियों से पुराने राजनीतिक ढांचे को चुनौती मिली है। जनता सरकार के काम को देख रही है और भविष्य में भी समर्थन देगी।

25-25 साल से काम कर रहे बेलदारों को पक्का किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों के समय आम लोगों से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को गरीबों और जरूरतमंदों की समस्याओं का अनुभव नहीं है, वे जनता की परेशानियों को नहीं समझ सकते। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग महंगे खर्च करते हैं और होटल या अन्य जगहों पर बड़ी रकम टिप के रूप में देते हैं, उन्हें राशन डिपो होल्डरों और आम लोगों की समस्याओं का अंदाजा नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारियों को भी राहत दी है। उन्होंने कहा कि तीन दिन पहले 25-25 साल से काम कर रहे बेलदारों को पक्का किया गया, जबकि उन्हें कभी उम्मीद नहीं थी कि उनकी नौकरी नियमित होगी।

शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार का दावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उनकी सरकार बनी थी, तब पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में काफी पीछे था, लेकिन अब राज्य बेहतर स्थिति में पहुंचा है। उन्होंने कहा कि बच्चों को आधुनिक तरीके से शिक्षा देने के लिए स्कूलों में सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के क्षेत्र में लगातार सुधार कर रही है।

बेअदबी मामले में सुखबीर को नोटिस एसआईटी ने बुलाया

चंडीगढ़| पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के यह कहने के एक दिन बाद कि 'हुण सुखबीर दी जेल जाण दी बारी', शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को कोटकपूरा गोलीकांड और बेअदबी से जुड़े मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पूछताछ के लिए नोटिस जारी कर दिया।

नोटिस मिलने के बाद सुखबीर बादल ने कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग करेंगे और 'जितनी मर्जी बार बुला लो, मैं आने को तैयार हूं।' एसआईटी ने सुखबीर बादल को निर्धारित तिथि पर पेश होकर अपना पक्ष रखने को कहा है।

बेअदबी और कोटकपूरा फायरिंग प्रकरण से जुड़ा है मामला: यह मामला 2015 के बहुचर्चित बेअदबी और कोटकपूरा फायरिंग प्रकरण से जुड़ा है, जिसकी जांच लंबे समय से जारी है। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी सरकार इस कार्रवाई को कानून के मुताबिक बता रही है, जबकि अकाली दल का आरोप है कि सरकार राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से काम कर रही है। मामले को लेकर पंजाब की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है और आने वाले दिनों में जांच की कार्रवाई पर सभी की नजर रहेगी।

पंजाब में आईपीएल की तर्ज पर टी-20 लीग

शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ी होंगे आकर्षण

एजेंसी | मोहाली

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) ने राज्य में आईपीएल की तर्ज पर पंजाब प्रीमियर लीग (पीपीएल) शुरू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने लीग की फ्रेंचाइजी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी कर इच्छुक कंपनियों और निवेशकों से आवेदन मांगे हैं।

लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और खिलाड़ियों का चयन नीलामी के जरिए किया जाएगा। प्रतियोगिता में केवल पीसीए से पंजीकृत खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे। लीग के प्रचार पोस्टर में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह सहित पंजाब के कई प्रमुख क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।

पीसीए के अनुसार, लीग का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवा क्रिकेटरों को प्रतिस्पर्धी मंच उपलब्ध कराना और घरेलू स्तर की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर देना है। इसके लिए पंजाब के अंतरराष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को भी लीग से जोड़ा जाएगा। अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को सीखने और अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

फ्रेंचाइजी मॉडल पर होगा आयोजन: पीसीए ने बताया कि लीग पूरी तरह फ्रेंचाइजी आधारित होगी। प्रत्येक टीम खिलाड़ियों को नीलामी के माध्यम से चुनेगी। एसोसिएशन का मानना है कि इससे राज्य में पेशेवर क्रिकेट संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय खिलाड़ियों को आईपीएल जैसी प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा।

आयोजन से क्रिकेट से जुड़े कोच, अंपायर, सपोर्ट स्टाफ और अन्य पेशेवरों के लिए भी नए अवसर पैदा होंगे। पीसीए का कहना है कि पंजाब लंबे समय से देश को कई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर देता रहा है।

क्रशर कारोबारी और प्रॉपर्टी डीलर के रिकॉर्ड खंगाले, नरोट जैमल सिंह, तारागढ़ और सैली रोड इलाकों में कार्रवाई

पठानकोट में ईडी की कई जगहों पर छापेमारी

समर न्यूज | पठानकोट

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पंजाब के पठानकोट जिले में कई स्थानों पर छापेमारी कर क्रशर कारोबार और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में दस्तावेजों की जांच की। ईडी की टीम ने नरोट जैमल सिंह, तारागढ़ और सैली रोड क्षेत्र में स्थित कुछ परिसरों पर पहुंचकर रिकॉर्ड खंगाले।

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने कारोबारी गतिविधियों, संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाई। सूत्रों के अनुसार ईडी की यह कार्रवाई कुछ संदिग्ध वित्तीय लेन-देन और

कारोबारी गतिविधियों की जांच के सिलसिले में की गई। जांच एजेंसी की टीमों ने संबंधित लोगों से जुड़े दस्तावेज, बैंक रिकॉर्ड और अन्य महत्वपूर्ण कागजातों की पड़ताल की। हालांकि, ईडी की ओर से इस कार्रवाई को लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है।

बताया जा रहा है कि छापेमारी के दौरान टीमों ने कई घंटों तक परिसरों में मौजूद रिकॉर्ड की जांच की। अधिकारियों ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों की भी पड़ताल की। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि संबंधित कारोबार में नियमों का पालन किया गया या नहीं और वित्तीय लेन-देन में कोई अनियमितता तो नहीं हुई।

कारोबार से जुड़े रिकॉर्ड की जांच: क्रशर उद्योग और जमीन-जायदाद के कारोबार से जुड़े लोगों पर ईडी की नजर पहले भी रही है। एजेंसी आमतौर पर मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध वित्तीय लेन-देन या संदिग्ध संपत्ति से जुड़े मामलों में ऐसी कार्रवाई करती है। जांच पूरी होने के बाद ही बरामदी का पता चलेगा।

पेज 1 एंकर स्टोरी | पंजाब दौरे से भाजपा का चुनावी संदेश, विकास परियोजनाओं के साथ दोआबा पर खास फोकस

पीएम आज पंजाब-हरियाणा को देंगे कई परियोजनाओं की सौगात

संत रविदास एक्सप्रेस व देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी; चंडीगढ़ और जालंधर में सुरक्षा कड़ी

समर न्यूज | चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को पंजाब और हरियाणा को कई परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास का उद्घाटन करेंगे और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 75 अन्य रेलवे स्टेशनों का भी वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही वह हरियाणा में देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। अमृतसर (छेहरटा) से वाराणसी के बीच चलने वाली संत रविदास एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। लंबे समय से रविदासिया समाज इस सीधी रेल सेवा की मांग कर रहा था, जिसे अब पूरा किया जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री का कार्यक्रम दोआबा क्षेत्र पर विशेष फोकस का संकेत देता है। पंजाब की अनुसूचित जाति आबादी का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र में निवास करता है और जालंधर इसका प्रमुख केंद्र है। भाजपा पहले ही 2027 का विधानसभा चुनाव अपने दम पर लड़ने का ऐलान कर चुकी है। ऐसे में विकास योजनाओं के साथ सामाजिक और राजनीतिक संदेश देने की रणनीति भी इस दौरे में दिखाई दे रही है। जालंधर कैंट रेलवे

स्टेशन पर प्रधानमंत्री की जनसभा के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। रेलवे स्टेशन परिसर में विशाल वाटरप्रूफ पंडाल लगाया गया है, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी रहेगी। कार्यक्रम में रेल परियोजनाओं के अलावा सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी कई योजनाओं की भी घोषणा होने की संभावना है।

चंडीगढ़ और जालंधर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम: प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए चंडीगढ़ और जालंधर में सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर पहुंचा दी गई है। जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया। वहीं चंडीगढ़ में कार्यक्रम स्थल के आसपास के क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोन घोषित किया गया है। कई मार्गों पर यातायात डायवर्ट रहेगा और आम लोगों से ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करने की अपील की गई है। हजारों जवान भी तैनात किए गए हैं।

रविदासिया समाज और विकास एजेंडे पर नजर: संत रविदास एक्सप्रेस को इस दौरे की प्रमुख घोषणाओं में माना जा रहा है। यह रेल सेवा पंजाब और वाराणसी के बीच सीधा संपर्क स्थापित करेगी, जिससे श्रद्धालुओं और यात्रियों को सुविधा मिलेगी। भाजपा का मानना है कि रेलवे, सड़क और स्वास्थ्य परियोजनाओं के साथ यह दौरा पंजाब में विकास के संदेश को मजबूत करेगा।

वहीं विपक्ष इसे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बता रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री का यह दौरा विकास और चुनावी राजनीति, दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जालंधर-कटड़ा के बीच वोल्वो बस सेवा शुरू

जालंधर| जालंधर से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत की खबर है। पंजाब रोडवेज ने जालंधर-कटड़ा के बीच वोल्वो बस सेवा शुरू कर दी है। यह बस रोजाना सुबह सवा 9 बजे जालंधर बस स्टैंड से रवाना होगी। रास्ते में यात्रियों के लिए पांच निर्धारित ठहराव रखे गए हैं।

नई सेवा से कटड़ा जाने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी। वोल्वो बस में आरामदायक सफर के साथ समय की भी बचत होगी। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार यात्रियों की मांग को देखते हुए सेवा शुरू की गई है और भविष्य में जरूरत के अनुसार इसमें बदलाव किया जा सकता है। लोगों का कहना है कि उनकी यात्रा और सुगम हो जाएगी। इससे समय की भी बचत होगी।

आईआरसीटीसी: नई वेबसाइट लॉन्च, यात्रियों को तेज सुविधा

सभी श्रेणियों की सीटें एक साथ दिखेंगी, तेज चेकआउट और बेहतर यूजर अनुभव पर जोर

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने ऑनलाइन रेल टिकट बुकिंग को आसान और तेज बनाने के लिए अपनी नई टिकट बुकिंग वेबसाइट शुरू की है। नए प्लेटफॉर्म में यात्रियों के लिए कई नई सुविधाएं जोड़ी हैं।

अब टिकट बुक करते समय अलग-अलग श्रेणियों की उपलब्ध सीटों की जानकारी एक ही स्क्रीन पर दिखाई देगी, जिससे यात्रियों को विकल्प चुनने में आसानी होगी। नई वेबसाइट में फास्टर चेकआउट फीचर शामिल किया गया है। इसके जरिए यात्रियों को टिकट बुकिंग की प्रक्रिया कम समय में पूरी करने में मदद मिलेगी। आईआरसीटीसी ने वेबसाइट के इंटरफेस को भी पहले से अधिक सरल बनाया है, ताकि नए उपयोगकर्ता भी आसानी से टिकट बुक कर सकें।

कैप्चा से राहत, बेहतर होगा अनुभव: नई व्यवस्था में बार-बार परेशान करने वाले कैप्चा को कम करने का प्रयास किया गया है। इससे खासकर तत्काल टिकट बुकिंग के समय यात्रियों को होने वाली परेशानी कम होने की उम्मीद है। इसके अलावा वेबसाइट की गति और भुगतान प्रक्रिया को भी बेहतर बनाया गया है। आईआरसीटीसी का कहना है कि नई वेबसाइट का उद्देश्य बढ़ते ऑनलाइन टिकट कारोबार के बीच यात्रियों को अधिक सुविधाजनक डिजिटल अनुभव देना है।

पंजाब की तरक्की ही हमारी राजनीति का सबसे प्रमुख उद्देश्य : मुख्यमंत्री भगवंत मान

मुकेरियां रैली में शिक्षा, स्वास्थ्य और मुफ्त बिजली योजनाओं को गिनाया सरकार का प्रमुख एजेंडा

समर न्यूज़ | मुकेरियां

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार की राजनीति का केंद्र केवल पंजाब का विकास और लोगों का जीवन स्तर बेहतर बनाना है। होशियारपुर जिले के मुकेरियां में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि राज्य शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और मुफ्त बिजली जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना और पारदर्शी प्रशासन देना है, न कि केवल चुनावी राजनीति करना। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए लगातार निवेश किया जा रहा है। उन्होंने आम आदमी क्लीनिकों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन केंद्रों के माध्यम से लोगों को घर के नजदीक मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं और दवाएं मिल रही हैं। साथ ही सरकार की मुफ्त बिजली योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने दावा किया कि बड़ी संख्या में घरेलू उपभोक्ताओं को हर महीने राहत मिल रही है। उनके अनुसार, इन पहलों का उद्देश्य आम परिवारों का आर्थिक बोझ कम करना है।

सीएम ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने लंबे समय तक विकास की बजाय राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने लोगों से विकास की राजनीति का समर्थन जारी रखने की अपील है।

विकास योजनाओं पर सरकार का जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और रोजगार जैसे क्षेत्रों में किए गए कार्यों को जनता के सामने रख रही है। उन्होंने दावा किया कि विभिन्न योजनाओं का लाभ गांवों और शहरों दोनों तक पहुंच रहा है तथा प्रशासनिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के प्रयास जारी हैं।

विपक्ष ने दावों पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद विपक्षी दलों ने सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि विकास कार्यों का मूल्यांकन जमीनी स्तर के परिणामों के आधार पर होना चाहिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी समय में विकास, वित्तीय प्रबंधन और रोजगार जैसे मुद्दे पंजाब की राजनीति के प्रमुख केंद्र बने रहेंगे।

युवक को जलाने के मामले में पूर्व प्रेमिका गिरफ्तार

समर न्यूज़ |अमृतसर

अमृतसर में युवक को कथित रूप से जिंदा जलाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने मृतक की पूर्व प्रेमिका और उसके चचेरे भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, युवक ब्रेकअप के बाद युवती से मिलने उसके घर पहुंचा था। इसी दौरान दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक घटना में बदल गई।

आरोप है कि विवाद के दौरान युवक पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा दी गई। घटना में युवती और उसका चचेरा भाई भी झुलस गए। तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां युवक की मौत हो गई, जबकि दोनों आरोपियों का उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, घटना के समय मौजूद लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी कब्जे में ली गई है।

हाईकमान की चेतावनी, बैकफुट पर बागी गुट, चन्नी से नहीं मिले राहुल गांधी

चन्नी बोले- ऑल इज वेल', राणा ने कहा- सब ठीक करके आ रहे हैं

समर न्यूज़ | चंढीगढ़/नई दिल्ली

पंजाब कांग्रेस में पिछले कुछ दिनों से चल रही अंदरूनी खींचतान के बीच पार्टी हाईकमान की सख्ती का असर अब साफ दिखाई देने लगा है। संगठन के शीर्ष नेतृत्व की नाराजगी और अनुशासन का संदेश मिलने के बाद असंतुष्ट नेताओं के तेवर नरम पड़ते नजर आए।

इसी कड़ी में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और वरिष्ठ नेता राणा गुरजीत सिंह ने दिल्ली में पार्टी नेताओं से मुलाकात के बाद विवाद को शांत करने के संकेत दिए। सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा प्रदेश नेतृत्व और संगठनात्मक फैसलों पर लगातार सवाल उठाए जाने से हाईकमान नाराज था। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट संदेश दिया कि सार्वजनिक बयानबाजी और गुटबाजी से संगठन को नुकसान पहुंच रहा है तथा अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद बागी माने जा रहे नेताओं ने अपने रुख में नरमी दिखाई।

दिल्ली से बाहर निकलते हुए पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने मीडिया से कहा, 'ऑल इज वेल', जबकि राणा गुरजीत सिंह ने कहा, 'सब ठीक कर आ रहे हैं।' दोनों नेताओं के इन बयानों को पार्टी में बढ़ते विवाद को शांत करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि नेताओं ने अंदर हुई बातचीत के बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। इस बीच, राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी रही कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने असंतुष्ट नेताओं से अलग से मुलाकात नहीं की। माना जा रहा है कि राहुल गांधी ने इससे इन्कार कर दिया। उन्होंने संगठनात्मक मामलों को पार्टी की निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही सुलझाने का संकेत दिया है। इससे यह संदेश भी गया कि व्यक्तिगत दबाव की राजनीति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

पार्टी सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस नेतृत्व चाहता है कि पंजाब में सभी नेता एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों की तैयारी पर ध्यान दें। हाईकमान ने स्पष्ट किया है कि मतभेद पार्टी मंच पर उठाए जाएं, सार्वजनिक बयानबाजी से बचा जाए।

कादियां नप चुनाव से पहले आप और कांग्रेस के पार्षदों में विवाद

बैठक के दौरान हुआ हंगामा

समर न्यूज़ | गुरदासपुर

कादियां नगर परिषद चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल गरमा गया है। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के पार्षदों के बीच विवाद के बाद हंगामा हो गया।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उसके तीन पार्षद लापता हैं, जबकि पुलिस ने मामले में कई लोगों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नगर परिषद से जुड़े चुनावी समीकरणों को लेकर पार्षदों की बैठक चल रही थी, इसी दौरान दोनों दलों के समर्थकों और पार्षदों के बीच बहस बढ़ गई।

मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित किया और कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। प्रशासन ने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी है।

तीन कांग्रेस पार्षदों के लापता होने का दावा

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उसके तीन पार्षद लापता हैं, कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उनके पार्षदों पर वर्तमान में शासित आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा नाजायज दबाव बनाया जा रहा है और तीन पार्षदों का संपर्क नहीं हो पा रहा है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच और पार्षदों की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है। सभी संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जलालाबाद के डीएसपी पर जेई को झूठे केस में फंसाने की साजिश का आरोप, मामला दर्ज

पुलिस ने डीएसपी बराड़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर शुरू की जांच

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

-कार से बरामद पैकेट जांच में गैर-नशीला निकला,समर न्यूज। पंजाब के फाजिल्का जिले में तैनात जलालाबाद के डीएसपी गुरसेवक सिंह बराड़ के खिलाफ एक जूनियर इंजीनियर (जेई) को कथित तौर पर झूठे मादक पदार्थ मामले में फंसाने की साजिश रचने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मामला उस समय चर्चा में आया, जब जेई की कार से बरामद संदिग्ध पैकेट की फोरेंसिक जांच में उसमें कोई नशीला पदार्थ नहीं पाया गया। इसके बाद पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस की कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई। प्रारंभिक जांच के अनुसार, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि जेई की कार में एक संदिग्ध पैकेट रखवाया गया और बाद में उसे सीआईए स्टाफ कार्यालय ले जाया गया। हालांकि वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट में पैकेट में किसी भी प्रकार का प्रतिबंधित मादक पदार्थ नहीं मिलने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया। इसके बाद संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच शुरू की गई और डीएसपी गुरसेवक बराड़ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की जा रही है।

जांच में सामने आए नए तथ्य

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों, फोरेंसिक रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज और संबंधित कर्मचारियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। जांच का उद्देश्य यह पता लगाना है कि संदिग्ध पैकेट कार तक कैसे पहुंचा और पूरी कार्रवाई किसके निर्देश पर की गई। यदि जांच में किसी अन्य अधिकारी या कर्मचारी की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

निष्पक्ष जांच का भरोसा

इस प्रकरण के सामने आने के बाद विपक्षी दलों और कर्मचारी संगठनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं पुलिस विभाग का कहना है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं माना जाएगा और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। अ

अमृतसर में लापता युवक का शव मिला

समर न्यूज़ |अमृतसर/जालंधर

पंजाब के अमृतसर और जालंधर में हुई दो अलग-अलग घटनाओं ने लोगों को झकझोर दिया है। अमृतसर में कई दिनों से लापता एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार शव के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। परिजनों ने बताया कि युवक के घर पांच दिन पहले ही बेटी का जन्म हुआ था।

मृतक की मां का कहना है कि वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। उधर, जालंधर में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

बीएसएफ कैंप में अंतरराज्यीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज

आईजी डॉ. अतुल फुलजेले ने किया उद्घाटन

समर न्यूज़ | अमृतसर

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अमृतसर फ्रंटियर मुख्यालय में आयोजित अंतरराज्यीय फुटबॉल प्रतियोगिता का गुरुवार को भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) डॉ. अतुल फुलजेले ने किया।

उद्घाटन समारोह में बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में पंजाब सहित विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। आयोजकों के अनुसार टूर्नामेंट का उद्देश्य खिलाड़ियों में खेल भावना को बढ़ावा देना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना है। उद्घाटन अवसर पर आईजी डॉ. फुलजेले ने कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे टूर्नामेंट के दौरान खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। पहले दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने तेज गति और शानदार तालमेल का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

केंद्रीय कैबिनेट के सात बड़े फैसले, सेमीकॉन 2.0 के लिए 1.27 लाख करोड़ रुपये की मंजूरी

मोबाइल विनिर्माण योजना, यूरिया निवेश नीति और रेलवे परियोजनाओं को भी हरी झंडी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और कृषि क्षेत्र को गति देने के उद्देश्य से सात बड़े फैसलों को मंजूरी दी है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सेमीकॉन 2.0 कार्यक्रम है, जिसके लिए 1.27 लाख करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है।

इसके अलावा 62,500 करोड़ की नई मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग योजना (एमपीएमएस), राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026, वाराणसी के दो एलिवेटेड कॉरिडोर तथा रेलवे क्षमता विस्तार से जुड़ी परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई। इन सभी परियोजनाओं का कुल वित्तीय आकार 2.19 लाख करोड़ से अधिक है। सरकार के अनुसार सेमीकॉन 2.0 का उद्देश्य भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर विनिर्माण और डिजाइन का प्रमुख केंद्र बनाना है। योजना के तहत चिप डिजाइन, नई फैब्रिकेशन इकाइयों (फैब), सेमीकंडक्टर उपकरण एवं कच्चे माल, एटीएमपी-ओसैट पैकेजिंग, अनुसंधान तथा कुशल मानव संसाधन विकास पर विशेष जोर दिया जाएगा। सरकार का कहना है कि इससे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका मजबूत होगी।[र कैबिनेट ने मोबाइल फोन निर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए नई मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग योजना को भी मंजूरी दी है। सरकार का मानना है कि इससे घरेलू मूल्य संवर्धन बढ़ेगा, आयात पर निर्भरता घटेगी और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

कृषि क्षेत्र के लिए मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 को मंजूरी दी है। सरकार का कहना है कि इससे आयात पर निर्भरता कम होगी और किसानों को समय पर यूरिया उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही रेलवे से जुड़ी क्षमता विस्तार परियोजनाओं को भी स्वीकृति दी गई है, जिससे माल और यात्री परिवहन को गति मिलने की उम्मीद है।

वाराणसी में आधारभूत ढांचे को मिलेगा बढ़ावा

कैबिनेट ने वाराणसी में वरुणा नदी और गंगा नदी के किनारे दो बड़े एलिवेटेड कॉरिडोर को भी मंजूरी दी है। सरकार के अनुसार इन परियोजनाओं से शहर में ट्रैफिक जाम कम होगा, संपर्क बेहतर होगा और काशी आने वाले श्रद्धालुओं तथा पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। इन दोनों परियोजनाओं पर लगभग 25 हजार करोड़ से अधिक खर्च किए जाएंगे।

रोजगार और निवेश बढ़ाने पर सरकार का जोर

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सभी फैसलों का उद्देश्य भारत को उच्च तकनीक विनिर्माण, आधुनिक बुनियादी ढांचे और कृषि आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाना है। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित होगा, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और देश की औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को मजबूती मिलेगी। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि इन योजनाओं की सफलता उनके प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन पर निर्भर करेगी।

ई-20 पेट्रोल से इंजन खराब: कंज्यूमर कोर्ट ने दिए नई कार या 20 लाख रुपये लौटाने के आदेश

एजेंसी।| रायपुर

देशभर में पेट्रोल में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच रायपुर में ई20 पेट्रोल से कार के इंजन के खराब होने का मामला सामने आया है। इससे जुड़े मामले में कंज्यूमर कोर्ट ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराया है। कोर्ट ने कहा कि नई कार दी जाए या 20 लाख लौटाए जाएं।

कोर्ट ने माना कि गाड़ी का इंजन ई-20 फ्यूल के हिसाब से नहीं था, फिर भी कार कस्टमर को बेची गई। कोर्ट ने कहा कि 45 दिनों के अंदर ग्राहक को उसी मॉडल की नई कार दी जाए, जो ई-20 फ्यूल के अनुकूल हो। या कंपनी वाहन की पूरी कीमत करीब 20.5 लाख रुपए और अन्य खर्च भी लौटाने होंगे।

नीट पेपर लीक मामले में लातूर के कोचिंग संचालक पर प्रश्नपत्र खरीदने का आरोप

सीबीआई ने अदालत में संचालक के मोबाइल से प्रश्नपत्र मिलने का किया दावा

मोबाइल से मिले हाथ से लिखे 132 रसायन विज्ञान प्रश्न, 111 असली प्रश्नपत्र से मिले

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अदालत में दावा किया है कि महाराष्ट्र के लातूर स्थित कोचिंग संस्थान के संचालक ने परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र खरीदा था।

जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी के मोबाइल फोन से रसायन विज्ञान के 132 हाथ से लिखे प्रश्न बरामद हुए, जिनमें से 111 प्रश्न वास्तविक नीट प्रश्नपत्र से मेल खाते पाए गए। सीबीआई ने इसे जांच का महत्वपूर्ण साक्ष्य बताते हुए अदालत में पेश किया। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार एजेंसी का कहना है कि डिजिटल और फोरेंसिक जांच से भी इन तथ्यों की पुष्टि हुई है।

जांच एजेंसी ने कोर्ट को बताया कि आरोपी और अन्य संदिग्धों के बीच संपर्क, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से मिले डेटा तथा चैट रिकॉर्ड की भी जांच की गई है। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर एजेंसी का दावा है कि प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले अवैध रूप से उपलब्ध कराया गया था। हालांकि बचाव पक्ष ने इन आरोपों से इनकार करते हुए अदालत में अपना पक्ष रखा है।

जांच में जुटी सीबीआई

सीबीआई का कहना है कि मामले में विभिन्न राज्यों से जुटाए गए डिजिटल साक्ष्यों, मोबाइल डेटा और फोरेंसिक रिपोर्ट का विश्लेषण जारी है। एजेंसी इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। मामला फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। अंतिम निष्कर्ष अदालत की सुनवाई और उपलब्ध साक्ष्यों के परीक्षण के बाद ही सामने आएगा। जांच एजेंसी का कहना है कि यदि आगे और ठोस प्रमाण मिलते हैं तो मामले में अतिरिक्त आरोपियों के खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

वांगचुक को रोजाना मेडिकल जांच और इलाज कराने के निर्देश

एजेंसी |नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि हर नागरिक की जान कीमती है। उसकी रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार को उनकी रोजाना मेडिकल जांच कराने और जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज कराने के निर्देश दिए हैं।

वांगचुक की भूख हड़ताल का आज 19वां दिन है। याचिका में जबरन खाना देने के निर्देश देने की मांग भी की गई थी। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकारी डॉक्टर वांगचुक के स्वास्थ्य पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उचित इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

देश में मानसून का दोहरा असर कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे की चिंता

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में मानसून का असर अलग-अलग राज्यों में अलग तस्वीर पेश कर रहा है। एक ओर उत्तर प्रदेश और बिहार के 18 जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, वहीं पूर्वोत्तर के कई हिस्से बाढ़ की चपेट में हैं। दूसरी ओर मध्य प्रदेश के अनेक जिले सामान्य से कम वर्षा के कारण सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों तक बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में तेज बारिश की संभावना जताते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश से नदियां उफान पर हैं और कई जिलों में बाढ़ तथा भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। प्रशासन के अनुसार बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और राहत एवं बचाव दल लगातार सुरक्षित स्थानों पर लोगों को पहुंचाने में जुटे हैं। असम में भी निचले इलाकों के कई गांव जलमग्न हो गए हैं, जिससे सड़क संपर्क और दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है।

नदियों पर रखी जा रही नजर

उत्तर प्रदेश और बिहार में नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखी जा रही है। जिला प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा निचले इलाकों के लोगों को आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विभाग ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करने की अपील की है।

चढ़ावा चोरी: कोषाध्यक्ष भी आए जांच के दायरे में

एजेंसी |अयोध्या

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की जांच में नया मोड़ सामने आया है। विशेष जांच दल ने जांच का दायरा बढ़ाते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि से संबंधित वित्तीय प्रक्रियाओं और प्रशासनिक जानकारियों को भी जांच के दायरे में लिया है।

जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार एसआईटी चढ़ावे के संग्रह, रिकॉर्ड, जमा प्रक्रिया और उससे जुड़े प्रशासनिक पहलुओं की विस्तृत पड़ताल कर रही है। इसी क्रम में ट्रस्ट के विभिन्न पदाधिकारियों और कर्मचारियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच का उद्देश्य पूरे घटनाक्रम की पारदर्शी तरीके से जांच करना और जिम्मेदारी तय करना है। एसआईटी बैंक रिकॉर्ड और संबंधित कर्मचारियों के बयानों का मिलान कर रही है।

आंदोलन 4,369 पेड़ों की कटाई के विरोध में नौवें दिन भी धरना जारी

हाईवे पर पेड़ों से चिपके प्रदर्शनकारियों का आंदोलन तेज

'ब्लैक हरेला' मना कर जताया विरोध; दो वर्षीय बच्ची के साथ मां भी प्रदर्शन में शामिल

एजेंसी | देहरादून

ऋषिकेश-भानियावाला राष्ट्रीय राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना के लिए प्रस्तावित 4,369 पेड़ों की कटाई के विरोध में पर्यावरण प्रेमियों और स्थानीय लोगों का आंदोलन लगातार नौवें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारी चिपको आंदोलन की तर्ज पर पेड़ों से चिपककर कटाई रोकने की मांग कर रहे हैं।

हरेला पर्व की पूर्व संध्या पर प्रदर्शनकारियों ने काले कपड़े पहनकर 'ब्लैक हरेला' मनाया और सरकार से परियोजना की पर्यावरणीय समीक्षा कराने की मांग की। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा, वरिष्ठ नागरिक और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। एक महिला अपनी दो वर्षीय बच्ची के साथ धरना स्थल पर पहुंची, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बने। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण से शिवालिक क्षेत्र के घने जंगलों, हाथी कॉरिडोर और स्थानीय जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उनका तर्क है कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन पर्यावरण संरक्षण से समझौता किए बिना वैकल्पिक डिजाइन अपनाए जा सकते हैं। आंदोलनकारियों ने पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई रोकने और विशेषज्ञ समिति से दोबारा मूल्यांकन कराने की मांग दोहराई।

दूसरी ओर, परियोजना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण का उद्देश्य देहरादून और ऋषिकेश के बीच यातायात को सुगम बनाना तथा दुर्घटनाओं को कम करना है। प्रशासन का दावा है कि परियोजना के लिए सभी आवश्यक वैधानिक मंजूरियां ली गई हैं और पर्यावरणीय मानकों का पालन किया जा रहा है। हालांकि विरोध जारी रहने के कारण कई स्थानों पर पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

पर्यावरण बनाम विकास की बहस तेज

इस आंदोलन ने उत्तराखंड में एक बार फिर विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। पर्यावरणविदों का कहना है कि बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई से वन्यजीवों के प्राकृतिक मार्ग, भूजल स्तर और स्थानीय जलवायु पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है। वहीं सरकार का पक्ष है कि क्षेत्र की बढ़ती यातायात जरूरतों को देखते हुए सड़क चौड़ीकरण आवश्यक है।

वार्ता की मांग, आंदोलन जारी

प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से वार्ता कर समाधान निकालने की अपील की है। उनका कहना है कि जब तक पेड़ों की कटाई पर पुनर्विचार नहीं किया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। प्रशासन ने भी शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील करते हुए कहा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए सभी पक्षों की बात सुनी जाएगी।

एक क्लिक... और खाते से गायब हो रही जिंदगी भर की कमाई

पंजाब, चंडीगढ़ और मोहाली में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध; तकनीक के साथ बदल रहे ठगों के हथकंडे, पुलिस अपना रही हाईटेक रणनीति, फिर भी अपराधी पकड़ से दूर

समर न्यूज़। चंडीगढ़

डिजिटल इंडिया के विस्तार के साथ ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ा है। इससे लोगों का जीवन पहले की तुलना में कहीं अधिक सुविधाजनक हुआ है, लेकिन इसी के साथ साइबर अपराधियों को भी ठगी के नए रास्ते मिल गए हैं।

पंजाब, चंडीगढ़ और मोहाली पिछले कुछ वर्षों में साइबर ठगी के बड़े केंद्रों में शामिल हो गए हैं। यहां हर दिन दर्जनों लोग फर्जी कॉल, निवेश के झांसे, डिजिटल अरेस्ट, ओटीपी, क्यूआर कोड, फर्जी कस्टमर केयर, सोशल मीडिया हैकिंग और ऑनलाइन नौकरी के नाम पर ठगी का शिकार बन रहे हैं। कई मामलों में पीड़ितों की वर्षों की जमा-पूंजी कुछ ही मिनटों में बैंक खातों से निकल जाती है।

पंजाब पुलिस, चंडीगढ़ पुलिस और मोहाली पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल और हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से हजारों शिकायतों पर कार्रवाई भी हुई है, लेकिन अपराधियों के तौर-तरीके इतनी तेजी से बदल रहे हैं कि पुलिस और आम लोगों दोनों के लिए चुनौती बढ़ती जा रही है।

▪ **हर महीने बदल रहा ठगी का तरीकाः** पहले साइबर ठगी मुख्य रूप से एटीएम कार्ड, ओटीपी और बैंक खाते तक सीमित थी। अब अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी, सीबीआई अधिकारी, कस्टम अधिकारी, कुरियर कंपनी का कर्मचारी, आयकर विभाग का अधिकारी या बैंक प्रतिनिधि बताकर लोगों को डराते हैं। कई मामलों में वीडियो कॉल के जरिए नकली पुलिस थाने या सरकारी कार्यालय जैसा माहौल दिखाकर लोगों को घंटों डिजिटल निगरानी में रखा जाता है और फिर बैंक खातों से रकम ट्रांसफर करवा ली जाती है। एआई और डीपफेक तकनीक आने से अपराध का स्वरूप और अधिक जटिल हो गया है।

▪ **सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले हथकंडे** - पंजाब, चंडीगढ़ और मोहाली में पुलिस के पास आने वाली शिकायतों में कुछ तरीके सबसे अधिक सामने आ रहे हैं। इनमें डिजिटल अरेस्ट, निवेश पर कई गुना मुनाफे का लालच, फर्जी शेयर ट्रेडिंग एप, सोशल मीडिया पर दोस्ती, ऑनलाइन नौकरी, बिजली बिल या गैस कनेक्शन बंद होने की धमकी, फर्जी कस्टमर केयर नंबर, क्यूआर कोड स्कैन कराना, स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड कराना और बैंक केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर ठगी प्रमुख हैं। अपराधी पहले पीड़ित का भरोसा जीतते हैं और फिर उसे मानसिक दबाव में लाकर जल्दबाजी में निर्णय लेने के लिए मजबूर करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी रणनीति होती है।

▪ **पुलिस की सख्ती से बढ़ी गिरोहों पर कार्रवाई** - साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं के बीच पंजाब पुलिस ने पिछले एक वर्ष में बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव के अनुसार साइबर ठगी से जुड़े 63 हजार से अधिक संदिग्ध बैंक खाते फ्रीज किए गए, जिनमें करीब 540 करोड़ रुपये के संदिग्ध लेन-देन पाए गए। कई अंतरराज्यीय गिरोहों तक पहुंच बनाकर उनकी गिरफ्तारी भी की गई। हाल के महीनों में विभिन्न राज्यों के साथ संयुक्त अभियान चलाकर बैंक खातों, सिम कार्ड, फर्जी कॉल सेंटर और म्यूल अकाउंट संचालकों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है। अब अपराधी स्वयं ठगी कम करते हैं और दूसरे लोगों के बैंक खाते किराये पर लेकर रकम इधर-उधर भेजते हैं, जिससे जांच कठिन हो जाती है।

▪ **बदलता नेटवर्क, बढ़ती चुनौती** अधिकांश साइबर गिरोह अब संगठित तरीके से काम करते हैं। एक व्यक्ति फोन करता है, दूसरा वीडियो कॉल संभालता है, तीसरा बैंक खातों में रकम मंगवाता है और चौथा रकम को कई खातों में बांट देता है। कई मामलों में फर्जी सिम कार्ड, किराये के बैंक खाते और विदेशी मैसेजिंग एप का इस्तेमाल होने से जांच लंबी हो जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार केवल बठिंडा में ही साइबर ठगी की शिकायतों में सात वर्षों के दौरान लगभग 44 गुना वृद्धि दर्ज की गई। यह आंकड़ा बताता है कि डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ साइबर अपराध भी तेजी से बढ़ा है।

सुरक्षा तंत्र को लगातार मजबूत कर रही पुलिस - साइबर अपराध पर अंकुश लगाने के लिए पंजाब पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में साइबर पुलिस स्टेशन और साइबर क्राइम सेल को मजबूत किया है। आधुनिक डिजिटल फोरेंसिक तकनीक, बैंकिंग संस्थानों के साथ समन्वय और अंतरराज्यीय एजेंसियों के सहयोग से मामलों की जांच की जा रही है। दूसरी ओर, चंडीगढ़ पुलिस भी साइबर सेल के माध्यम से शिकायतों के त्वरित निस्तारण और लोगों को जागरूक करने पर विशेष जोर दे रही है।, यदि ठगी की जानकारी समय रहते मिल जाए और पीड़ित तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा दे, तो कई मामलों में बैंक खाते फ्रीज कर रकम बचाई जा सकती है।

केस स्टडी-1

मोहाली के कारोबारी से करोड़ों की ठगी : मोहाली में वर्ष 2025 में सामने आए एक मामले में शेयर बाजार में भारी मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी से करोड़ों रुपये ठग लिए गए। पीड़ित को सोशल मीडिया के माध्यम से निवेश समूह में जोड़ा गया, जहां शुरुआती चरण में नकली लाभ दिखाकर उसका विश्वास जीता गया। बाद में बड़ी रकम निवेश करवाने के बाद आरोपी गायब हो गए। मामले की जांच साइबर पुलिस ने शुरू की और विभिन्न राज्यों तक इसकी कड़ियां जुड़ीं। इस घटना ने ऑनलाइन निवेश प्लेटफॉर्म पर आंख मूंदकर भरोसा करने के खतरे को उजागर किया।

केस स्टडी-2

चंडीगढ़ में 'डिजिटल अरेस्ट' का जाल : चंडीगढ़ में एक सेवानिवृत्त अधिकारी को फोन कर बताया गया कि उनके आधार कार्ड और बैंक खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है।,द को पुलिस और जांच एजेंसी का अधिकारी बताने वाले लोगों ने वीडियो कॉल से उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा। गिरफ्तारी से बचाने के नाम पर लाखों रुपये खातों में जमा करवा लिए गए। बाद में पीड़ित को ठगी का पता चला और मामला साइबर थाने पहुंचा। चंडीगढ़ पुलिस ने लोगों से अपील की कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर पूछताछ कर पैसे जमा कराने का निर्देश नहीं देती।

केस स्टडी-3

मोहाली में फर्जी ट्रेडिंग ऐप से लाखों की ठगी : मोहाली में एक महिला पेशेवर को सोशल मीडिया के जरिए निवेश समूह में जोड़ा गया। शुरुआत में फर्जी लाभ दिखाकर विश्वास बनाया गया और बाद में कई किश्तों में लाखों रुपये जमा करवा लिए गए। जब पीड़िता ने रकम निकालने की कोशिश की तो उससे टैक्स और प्रोसेसिंग फीस के नाम पर और पैसे मांगे गए। जांच में सामने आया कि गिरोह कई राज्यों से संचालित हो रहा था और रकम विभिन्न बैंक खातों में भेजी गई थी। ऐसे मामलों में पंजाब पुलिस लगातार लोगों को केवल सेबी से पंजीकृत प्लेटफॉर्म पर ही निवेश करने की सलाह देती रही है।

लोगों की सतर्कता ही सबसे बड़ा हथियार - पंजाब पुलिस और चंडीगढ़ पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से बार-बार कहा है कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर पूछताछ कर पैसे ट्रांसफर करने के लिए नहीं कहती। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को पुलिस, सीबीआई, ईडी, कस्टम या बैंक अधिकारी बताकर डराए, तो उसकी बात पर तुरंत विश्वास करने के बजाय स्थानीय पुलिस या साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करना चाहिए। साइबर अपराध की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अपराधी अक्सर दूसरे राज्यों या विदेशों से इंटरनेट आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए वारदात करते हैं। बैंक खाते, मोबाइल नंबर, फर्जी दस्तावेज और डिजिटल वॉलेट अलग-अलग राज्यों में होने से जांच जटिल हो जाती है। इसके बावजूद पंजाब और चंडीगढ़ पुलिस ने हाल के वर्षों में कई राज्यों के साथ मिलकर ऐसे गिरोहों तक पहुंच बनाई है।

केस स्टडी-4

जालंधर के कारोबारी को 'डिजिटल अरेस्ट' कर करोड़ों की ठगी : पंजाब में सबसे अधिक चर्चा उन मामलों की रही, जिनमें लोगों को वीडियो कॉल पर घंटों 'डिजिटल अरेस्ट' में रखा गया। जालंधर के एक कारोबारी को फोन कर बताया गया कि उसके नाम से अवैध पार्सल भेजा गया है। बाद में खुद को पुलिस और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का अधिकारी बताने वाले लोगों ने वीडियो कॉल शुरू कर दी। गिरफ्तारी का डर दिखाकर कारोबारी से करोड़ों रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए गए। जांच में पता चला कि अपराधियों ने फर्जी पहचान पत्र, सरकारी लोगो और नकली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर पीड़ित का भरोसा जीता। इस तरह के मामलों ने पूरे राज्य में चिंता बढ़ाई।

केस स्टडी-5

नौकरी और पार्ट-टाइम टास्क के नाम पर ठगी : चंडीगढ़ और मोहाली में बड़ी संख्या में युवाओं को ऑनलाइन पार्ट-टाइम नौकरी का झांसा देकर ठगा गया। व्हाट्सऐप और टेलीग्राम के जरिए लोगों को होटल रेटिंग, वीडियो लाइक करने या ई-कॉमर्स टास्क पूरा करने के बदले अच्छी कमाई का वादा किया गया। शुरुआती भुगतान कर विश्वास जीतने के बाद उनसे 'अपग्रेड पैकेज' या 'सिक्योरिटी डिपॉजिट' के नाम पर बड़ी रकम जमा करवाई गई। बाद में ग्रुप बंद कर दिए गए और संपर्क टूट गया। पुलिस का कहना है कि इस तरह की ठगी में सबसे अधिक युवा और नौकरी तलाश रहे लोग निशाना बनते हैं। लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

ठगी के पीछे मनोविज्ञान, तकनीक और जल्द अमीर बनने की चाह

अधिकांश ऑनलाइन ठगी तकनीकी कमजोरी से अधिक मानवीय भूल का फायदा उठाकर की जाती है। अपराधी पहले पीड़ित का विश्वास जीतते हैं, फिर उसे डर, लालच या भावनात्मक दबाव में लेकर जल्दबाजी में निर्णय लेने के लिए मजबूर करते हैं। बैंक खाता बंद होने, बिजली कनेक्शन काटने, पार्सल में प्रतिबंधित सामान मिलने, आयकर जांच या डिजिटल गिरफ्तारी जैसी कहानियां इसी रणनीति का हिस्सा होती हैं। वहीं, शेयर बाजार, क्रिप्टोकरेंसी या पार्ट-टाइम नौकरी में कम समय में मोटे मुनाफे का लालच देकर लोगों को जाल में फंसाया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा व्यक्तिगत जानकारी साझा करना भी साइबर अपराधियों के लिए मददगार साबित होता है। वे फेसबुक, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन और अन्य मंचों से जानकारी जुटाकर भरोसेमंद बातचीत शुरू करते हैं और फिर ठगी को अंजाम देते हैं।

कामयाबी की कई मिसालें भी

साइबर अपराध के बढ़ते मामलों के बीच पुलिस को उल्लेखनीय सफलताएं भी मिली हैं। पंजाब पुलिस ने पिछले वर्ष कई अंतरराज्यीय गिरोहों का पर्दाफाश करते हुए बड़ी संख्या में आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने हजारों संदिग्ध बैंक खातों को फ्रीज कराया और करोड़ों रुपये के संदिग्ध लेन-देन पर रोक लगाई। कई मामलों में शिकायत मिलते ही त्वरित कार्रवाई के कारण पीड़ितों की रकम वापस भी कराई गई। चंडीगढ़ और मोहाली पुलिस ने भी बैंक अधिकारियों तथा विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से अनेक मामलों में रकम होल्ड कर पीड़ितों को राहत दिलाई। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि समय पर शिकायत करने से नुकसान कम किया जा सकता है।

पुलिस अधिकारियों की सलाह

पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने विभिन्न मीडिया मंचों पर लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक या निवेश के झांसे पर भरोसा न करें। उनका कहना है कि साइबर अपराध से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका जागरूकता है।

वहीं, चंडीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बार-बार स्पष्ट किया है कि कोई भी पुलिस, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग या अन्य सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल पर पैसे ट्रांसफर करने का निर्देश नहीं देती। यदि कोई ऐसा करता है तो उसे तुरंत संदिग्ध मानकर पुलिस और संबंधित बैंक के अधिकारियों को सूचना देनी चाहिए, ताकि बचाव हो सके।

ऐसे रखें खुद को सुरक्षित

- अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, सीवीवी, यूपीआई पिन या नेट बैंकिंग पासवर्ड साझा न करें।
- क्यूआर कोड स्कैन करने से पहले उसकी आवश्यकता समझ लें। पैसे मिलने के लिए क्यूआर कोड स्कैन नहीं करना पड़ता।
- केवल अधिकृत वेबसाइट और मोबाइल एप का ही उपयोग करें।
- निवेश से पहले कंपनी और प्लेटफॉर्म की वैधता की जांच करें।
- सोशल मीडिया पर निजी जानकारी सीमित रखें।
- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक करने या स्क्रीन शेयरिंग एप डाउनलोड करने से बचें।
- बैंक खाते से संदिग्ध लेन-देन होते ही कार्ड और यूपीआई सेवाएं तुरंत ब्लॉक कराएं।
- ठगी का संदेह होने पर बिना देर किए 1930 पर कॉल करें और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

जागरूकता ही बचाव

डिजिटल युग में साइबर अपराध पूरी तरह समाप्त कर पाना आसान नहीं है, क्योंकि अपराधी लगातार नई तकनीकों और नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में पुलिस की कार्रवाई जितनी जरूरी है, उतनी ही जरूरी आम नागरिकों की सतर्कता भी है। यदि लोग किसी भी लालच, धमकी या दबाव में आने के बजाय पहले जानकारी की पुष्टि करें, तो अधिकांश साइबर ठगी रोकी जा सकती है। पंजाब, चंडीगढ़ और मोहाली में लगातार बढ़ते मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब साइबर सुरक्षा केवल पुलिस या बैंकों की जिम्मेदारी नहीं रह गई है। डिजिटल दुनिया में हर व्यक्ति को स्वयं भी सतर्क प्रहरी बनना होगा। एक छोटी-सी सावधानी जीवनभर की कमाई बचा सकती है, जबकि एक लापरवाही कुछ ही मिनटों में वर्षों की मेहनत पर पानी फेर सकती है। यही कारण है कि विशेषज्ञ आज एक ही संदेश दोहरा रहे हैं- सोच-समझकर क्लिक करें, तभी आपका पैसा और आपकी पहचान सुरक्षित रहेगी।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से बदलेगी भारतीय रेलवे की रफ्तार

हरियाणा से शुरू होगी हरित परिवहन की नई पहल, प्रदूषण घटाने के साथ स्वदेशी तकनीक को मिलेगा बढ़ावा

समर न्यूज़। चंडीगढ़

भारतीय रेलवे 17 जुलाई को परिवहन क्षेत्र में एक नई उपलब्धि दर्ज करने जा रहा है। हरियाणा के जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन आधारित यात्री ट्रेन का संचालन शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके उद्घाटन के दौरान इसे हरी झंडी दिखाएंगे।

जींद-सोनीपत रेलखंड पर चलने वाली यह ट्रेन केवल एक नई रेल सेवा नहीं, बल्कि भारतीय रेलवे की हरित ऊर्जा, स्वदेशी तकनीक और कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यदि यह पायलट परियोजना सफल रहती है तो भविष्य में देश के अन्य गैर-विद्युतीकृत या विरासत (हेरिटेज) रेल मार्गों पर भी हाइड्रोजन ट्रेनें चलाई जा सकती हैं।

भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में विद्युतिकरण, वंदे भारत ट्रेनों और आधुनिक सिग्नलिंग प्रणाली पर तेजी से काम किया है। अब हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक को अपनाकर रेलवे स्वच्छ ऊर्जा आधारित परिवहन की दिशा में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। जर्मनी, चीन और कुछ अन्य देशों के बाद भारत भी हाइड्रोजन रेल तकनीक अपनाने वाले देशों की सूची में शामिल होगा।

जींद-सोनीपत मार्ग से होगी शुरुआतः देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन उत्तर रेलवे के जींद–सोनीपत रेलखंड पर किया जाएगा। लगभग 90 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का चयन इसलिए किया गया है ताकि नियंत्रित वातावरण में नई तकनीक का परीक्षण और परिचालन अनुभव प्राप्त किया जा सके। रेलवे का मानना है कि इस परियोजना से प्राप्त अनुभव भविष्य की हाइड्रोजन रेल परियोजनाओं की दिशा तय करेगा। इस ट्रेन में आठ यात्री कोच और दो पावर कार होंगी। इसमें लगभग 682 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होगी, जबकि कुल वहन क्षमता करीब 2,600 यात्रियों की रहेगी। ट्रेन की अधिकतम डिजाइन गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है, जबकि परिचालन गति मार्ग की परिस्थितियों के अनुसार निर्धारित की जाएगी।

परियोजना पर कितना खर्च आयाः भारतीय रेलवे ने इस परियोजना को पायलट आधार पर विकसित किया है। उपलब्ध आधिकारिक जानकारी के अनुसार एक हाइड्रोजन ट्रेन के विकास और आवश्यक तकनीकी बदलाव पर लगभग 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इसके अतिरिक्त हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और री-फ्यूलिंग स्टेशन विकसित करने पर भी अलग से निवेश किया गया है। रेलवे के व्यापक 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' कार्यक्रम के तहत हाइड्रोजन अवसंरचना के विकास पर भी करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी ट्रेनों का संचालन सुरक्षित और नियमित रूप से किया जा सके।

हरित ऊर्जा की दिशा में बड़ा कदमः भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। परिवहन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करना इस लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण माना जाता है। रेलवे पहले ही अपने अधिकांश नेटवर्क का विद्युतीकरण कर चुका है, लेकिन जिन मार्गों पर अभी भी डीजल इंजन का उपयोग होता है, वहां भविष्य में हाइड्रोजन तकनीक प्रभावी विकल्प बन सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे डीजल पर निर्भरता घटेगी, जीवाश्म ईंधन के आयात में कमी आएगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

गति में नहीं, पर्यावरण में बड़ा अंतरः यात्रियों के लिए सबसे बड़ा सवाल ट्रेन की गति को लेकर है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन की अधिकतम डिजाइन गति लगभग 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटा है, जबकि जींद–सोनीपत रेलखंड पर इसकी परिचालन गति मार्ग की अनुमति के अनुसार लगभग 75 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। यानी गति के मामले में यह सामान्य डीजल या डीजल मल्टीपल यूनिट ट्रेनों के समान ही होगी। अंतर मुख्य रूप से ऊर्जा स्रोत और प्रदूषण के स्तर में दिखाई देगा। रेल विशेषज्ञों का कहना है कि हाइड्रोजन ट्रेन का उद्देश्य रिकॉर्ड गति हासिल करना नहीं, बल्कि स्वच्छ, टिकाऊ और कम-उत्सर्जन वाली रेल सेवा उपलब्ध कराना है।

हरियाणा को क्या होगा फायदाः देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन हरियाणा से शुरू होना राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। इससे हरियाणा स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल तकनीक का पहला परिचालन केंद्र बनेगा। जींद में विकसित हाइड्रोजन री-फ्यूलिंग और परीक्षण अवसंरचना भविष्य की परियोजनाओं के लिए मॉडल का काम करेगी। इस परियोजना से राज्य में हरित ऊर्जा, इंजीनियरिंग, रखरखाव और तकनीकी सेवाओं से जुड़े नए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। यदि भविष्य में अधिक हाइड्रोजन ट्रेनें शुरू होती हैं तो हरियाणा इस क्षेत्र में विनिर्माण और तकनीकी प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है।

भारतीय रेलवे के लिए क्यों है अहम परियोजनाः भारतीय रेलवे दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में शामिल है। अधिकांश रेल मार्गों का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ मार्ग ऐसे हैं जहां डीजल इंजन का उपयोग अब भी आवश्यक है। ऐसे मार्गों पर हाइड्रोजन ट्रेनें भविष्य का विकल्प बन सकती हैं। रेल मंत्रालय की 'हाइड्रोजन फॉर हेरिटेज' पहल का उद्देश्य पहले चरण में चयनित रेलखंडों पर हाइड्रोजन तकनीक का परीक्षण करना है। यदि जींद–सोनीपत परियोजना सफल रहती है तो अन्य विरासत और गैर-विद्युतीकृत रेल मार्गों पर भी इस तकनीक का विस्तार किया जा सकता है। रेलवे के कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी। स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को मजबूती मिलेगी।

सबसे बड़ी चुनौती लागत और ईंधन आपूर्तिः हाइड्रोजन तकनीक जितनी आधुनिक है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी है। वर्तमान समय में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन अपेक्षाकृत महंगा है। इसके अलावा भंडारण, परिवहन और री-फ्यूलिंग के लिए विशेष अवसंरचना विकसित करनी पड़ती है। शुरुआती चरण में परियोजना की लागत डीजल ट्रेन की तुलना में अधिक है। रेल विशेषज्ञों का कहना है कि यदि हाइड्रोजन उत्पादन बड़े पैमाने पर शुरू होता है और उसकी कीमत घटती है, तभी यह तकनीक आर्थिक रूप से और अधिक प्रतिस्पर्धी बन पाएगी। इसके लिए रेलवे, ऊर्जा मंत्रालय और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता होगी।

क्या है हाइड्रोजन ट्रेन की खासियत

हाइड्रोजन ट्रेन पारंपरिक डीजल इंजन से पूरी तरह अलग तकनीक पर आधारित होती है। इसमें इंजन के स्थान पर हाइड्रोजन फ्यूल सेल का उपयोग किया जाता है। फ्यूल सेल में संग्रहित हाइड्रोजन और वातावरण से ली गई ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रक्रिया से बिजली पैदा होती है। यही बिजली ट्रैक्शन मोटरों को चलाती है, जिससे ट्रेन आगे बढ़ती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड या धुआं का उत्सर्जन नहीं होता। उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प और थोड़ी ऊष्मा निकलती है। यही कारण है कि इसे पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है। रेल विशेषज्ञों के अनुसार हाइड्रोजन तकनीक उन रेल मार्गों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है, जहां विद्युतिकरण करना कठिन या अत्यधिक महंगा है। ऐसे क्षेत्रों में डीजल इंजनों के स्थान पर हाइड्रोजन ट्रेनें पर्यावरण और परिचालन-दोनों दृष्टि से बेहतर विकल्प बन सकती हैं।

डीजल और इलेक्ट्रिक ट्रेन से कितनी अलग है हाइड्रोजन ट्रेन

हाइड्रोजन ट्रेन को अक्सर डीजल और इलेक्ट्रिक ट्रेन के बीच की ऐसी तकनीक माना जाता है, जो उन रेल मार्गों के लिए उपयुक्त है जहां ओवरहेड बिजली लाइन बिछाना कठिन या अत्यधिक महंगा है। डीजल इंजन सीधे जीवाश्म ईंधन जलाकर इंजन चलाते हैं, जबकि हाइड्रोजन ट्रेन में फ्यूल सेल हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक अभिक्रिया से बिजली उत्पन्न करती है। यही बिजली ट्रैक्शन मोटरों को चलाती है। इस पूरी प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड, धुआं या सूक्ष्म प्रदूषक कणों का उत्सर्जन नहीं होता। उप-उत्पाद के रूप में केवल जलवाष्प और ऊष्मा निकलती है। जिन रेलखंडों पर प्रतिदिन सीमित ट्रेनें चलती हैं, वहां विद्युतीकरण की तुलना में हाइड्रोजन तकनीक दीर्घकाल में बेहतर विकल्प बन सकती है। इससे ओवरहेड बिजली लाइन, सब-स्टेशन और अन्य विद्युत अवसंरचना पर होने वाला भारी निवेश भी बचाया जा सकता है।

सुरक्षा पर विशेष ध्यान : हाइड्रोजन अत्यधिक ज्वलनशील गैस है, इसलिए ट्रेन के डिजाइन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। फ्यूल टैंक, गैस पाइपलाइन, सेंसर, स्वचालित गैस रिसाव चेतावनी प्रणाली और अग्नि सुरक्षा उपकरण अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप लगाए गए हैं। ट्रेन में लगातार निगरानी करने वाली डिजिटल प्रणाली भी होगी, जो किसी भी तकनीकी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत चालक और नियंत्रण केंद्र को सूचना देगी। ट्रेन को संचालन से पहले विभिन्न स्तरों पर तकनीकी परीक्षणों और सुरक्षा मानकों की जांच से गुजारा गया है। हाइड्रोजन भंडारण और ईंधन भरने की प्रक्रिया के लिए भी विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किए गए हैं।

कितने लोगों को होगा लाभ : जींद-सोनीपत रेलखंड पर प्रतिदिन यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को इस नई सेवा का सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा रेलवे के इंजीनियरों, तकनीकी कर्मचारियों और रखरखाव से जुड़े कर्मियों को नई तकनीक पर काम करने का अवसर मिलेगा। अप्रत्यक्ष रूप से यह परियोजना देशभर के उन करोड़ों यात्रियों के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी सफलता के बाद भविष्य में अन्य रेलखंडों पर भी हाइड्रोजन ट्रेनें शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। हरियाणा के लिए यह परियोजना औद्योगिक और तकनीकी दृष्टि से भी अहम है। हाइड्रोजन आधारित अवसंरचना विकसित होने से भविष्य में निवेश, अनुसंधान और कौशल विकास के नए अवसर पैदा होने की संभावना है।

नई दिशा की शुरुआत : हरियाणा से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन केवल एक नई रेल सेवा का शुभारंभ नहीं, बल्कि भारतीय रेलवे की तकनीकी सोच में बदलाव का प्रतीक भी है। जिस तरह वंदे भारत ट्रेनों ने आधुनिक यात्री सेवाओं की नई पहचान बनाई, उसी तरह हाइड्रोजन ट्रेन स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल परिवहन की दिशा तय कर सकती है। यदि यह पायलट परियोजना सफल रहती है तो भविष्य में भारत के कई अन्य रेलखंडों पर भी ऐसी ट्रेनें दौड़ती दिखाई दे सकती हैं। भारतीय रेलवे प्रतिदिन करोड़ों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाता है। ऐसे विशाल नेटवर्क में स्वच्छ ऊर्जा आधारित तकनीक का सफल प्रयोग न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को भी नई मजबूती देगा। हरियाणा से शुरू हो रही यह पहल आने वाले वर्षों में भारतीय रेल के इतिहास में उस मील के पत्थर के रूप में याद की जा सकती है।

ईंधन खर्च का गणित : हाइड्रोजन ईंधन आज भी डीजल की तुलना में महंगा माना जाता है। इसलिए शुरुआती वर्षों में इस तकनीक की परिचालन लागत अपेक्षाकृत अधिक रह सकती है। जैसे-जैसे देश में ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन बढ़ेगा और बड़े स्तर पर इसका उपयोग शुरू होगा, वैसे-वैसे इसकी लागत में कमी आएगी। यदि हाइड्रोजन का उत्पादन सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से किया जाता है तो ईंधन आयात पर निर्भरता भी घटेगी। रेलवे का मानना है कि यह परियोजना तत्काल लाभ कमाने के बजाय भविष्य की स्वच्छ परिवहन व्यवस्था में निवेश है। आने वाले वर्षों में यदि हाइड्रोजन उत्पादन सस्ता होता है तो रेलवे के लिए परिचालन लागत भी प्रतिस्पर्धी हो सकती है।

यात्रियों को क्या मिलेगा नया : हाइड्रोजन ट्रेन के कोच आधुनिक डीजल मल्टीपल यूनिट के आधार पर विकसित किए गए हैं। इनमें वातानुकूलित व्यवस्था, स्वचालित दरवाजे, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली, सीसीटीवी कैमरे और आधुनिक सुरक्षा उपकरण लगाए गए हैं। ट्रेन में शोर और कंपन भी पारंपरिक डीजल इंजन की तुलना में कम रहने की उम्मीद है, जिससे यात्रियों को अधिक आरामदायक सफर मिलेगा। रेलवे ने ट्रेन के रखरखाव और संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जींद से देश को देंगे पहली हाइड्रोजन ट्रेन की सौगात

प्रधानमंत्री के हरियाणा दौरे से पहले एसपीजी ने बदला रूट, गोहाना रोड को वीवीआईपी मूवमेंट रूट से बाहर किया, सुरक्षा घेरे में जींद

समर न्यूज़ | जींद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जींद दौरे से कुछ घंटे पहले उनका रूट बदल दिया गया है। अब उनका चॉपर सीधे जींद रेलवे स्टेशन के पास रामलीला ग्राउंड में उतरेगा। जहां देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

पहले उन्हें शहर के बीच से होकर रैली स्थल तक जाना था। अब रेलवे स्टेशन से पटियाला चौक, नरवाना चौक होते हुए अमरेहड़ी के पास जींद बाईपास पर चढ़ेंगे। वहां से हैबतपुर रोड से रैली स्थल (हुडा ग्राउंड) पहुंचेगा।

बताया जा रहा है कि स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप के अधिकारियों के निरीक्षण के बाद यह बदलाव किया। एसजीपी का ऑब्जेक्शन था कि शहर में सिंगल-संकरी रोड से वीवीआईपी मूवमेंट सुरक्षा के लिहाज से सही नहीं है। अब गोहाना रोड को वीवीआईपी मूवमेंट रूट से बाहर कर दिया गया है।

सुरक्षा को लेकर एसपीजी के कमांडो और सादी वर्दी में तैनात जवान चप्पे-चप्पे पर पैनी नजर रख रहे हैं। केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव गुरुवार रात को ही जींद पहुंच जाएंगे। सीएम नायब सैनी भी शाम को जींद पहुंचेंगे, जबकि राज्यपाल असीम घोष भी यूनिवर्सिटी रेस्ट हाउस पहुंचेंगे। ये 17 जुलाई की सुबह 10:45 बजे पीएम मोदी को रिसीव करेंगे।

पीएम शुक्रवार को 10 बजकर 45 मिनट पर जींद पहुंचेंगे। ट्रेन को झंडी दिखाने से लेकर रैली तक उनका करीब 40-45 मिनट का ही शेड्यूल रहेगा। उसके बाद चंडीगढ़ रवाना होंगे। वायुसेना अंबाला की टीम ने जींद पहुंचकर रेलवे स्टेशन व पुलिस लाइन हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर की रिहर्सल लैंडिंग कराई है। सबसे पहले पीएम चॉपर से रेलवे स्टेशन पर बने हेलीपैड पर पहुंचेंगे और यहां ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे।

उत्तर रेलवे के डीआरएम पुष्पेश रमन त्रिपाठी ने जींद रेलवे स्टेशन पर तैयारियों को लेकर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ट्रेन में सबसे पहले 200 स्कूली बच्चों को सफर कराया जाएगा।

वहीं वरिष्ठ नागरिकों को भी उनके साथ यात्रा कराने के लिए रेलवे द्वारा सूची तैयार की जा रही है।कांग्रेस के 5 बागी विधायकों शैली चौधरी, रेणु बाला, जरनैल सिंह, मोहम्मद इजराइल व मोहम्मद इलियास के नाम भी खास मेहमानों में शामिल हैं। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से सभी जिलों को लेटर लिखे हैं।

विकास योजनाओं पर रहेगा फोकस

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान हरियाणा से जुड़ी विकास परियोजनाओं, सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होने की संभावना है। प्रशासन और भाजपा संगठन दोनों ही स्तरों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सुरक्षा एजेंसियां कार्यक्रम समाप्त होने तक पूरी निगरानी बनाए रखेंगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।

भाजपा ने बागी नेताओं को दी जिम्मेदारी

प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर भाजपा संगठन भी सक्रिय है। पार्टी ने प्रदेश के कुछ ऐसे नेताओं को भी जिम्मेदारियां सौंपी हैं, जो पहले संगठन से नाराज चल रहे थे या अलग-अलग कारणों से सक्रिय भूमिका में नहीं थे। पार्टी का उद्देश्य सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को कार्यक्रम से जोड़कर संगठनात्मक एकजुटता दिखाना है। भाजपा नेताओं का कहना है कि प्रधानमंत्री का दौरा प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है और इससे कार्यकर्ताओं में नया उत्साह आएगा। पार्टी ने जनसभा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रवार जिम्मेदारियां तय की हैं।

हिसार में करंट लगने से व्यक्ति की मौत, बिजली का पोल बना जानलेवा

समर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा के हिसार शहर में फ्लेमिंगो कॉम्प्लेक्स के पास करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, व्यक्ति सड़क किनारे लगे बिजली के पोल के संपर्क में आते ही करंट की चपेट में आ गया और मौके पर ही गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस और बिजली निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

तकनीकी जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि बिजली के पोल में करंट कैसे आया और कही रखरखाव में लापरवाही तो नहीं हुई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है।

आरटीआई में खुलासा

पिंजौर-मोरनी क्षेत्र में एक साल में करीब 3,000 पेड़ काटे गए

- वन विभाग की जांच रिपोर्टों से सामने आए आंकड़े, पर्यावरण प्रेमियों ने उठाए संरक्षण पर सवाल

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा के पिंजौर-मोरनी क्षेत्र में पिछले एक वर्ष के दौरान करीब 3,000 पेड़ों की अवैध कटाई का मामला सामने आया है। सूचना का अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी में खुलासा हुआ है कि वन विभाग की तीन अलग-अलग जांच रिपोर्टों में बड़ी संख्या में पेड़ों के कटे होने की पुष्टि की गई है। यह जानकारी शिवालिक विकास मंच के अध्यक्ष विजय बंसल द्वारा मांगी गई आरटीआई के जवाब में सामने आई है।

आरटीआई के अनुसार, एचएमटी-पिंजौर क्षेत्र में 1,456 खैर के पेड़, आसरेवाली संरक्षित वन क्षेत्र (खोल-ही-रैतन वन्यजीव अभयारण्य का हिस्सा) में 1,148 खैर के पेड़ तथा मोरनी के मुवास गांव में 376 यूकेलिप्टस के ठूंठ पाए गए। इन मामलों की जांच वन विभाग द्वारा कराई गई थी, जिसमें बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई दर्ज की गई।

शिवालिक क्षेत्र को हरियाणा की महत्वपूर्ण हरित पट्टी माना जाता है। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि खैर जैसे पेड़ मिट्टी संरक्षण, भूजल संरक्षण और जैव विविधता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई से क्षेत्र के पारिस्थितिक संतुलन पर असर पड़ सकता है।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक पौधारोपण अभियान चलाने की मांग की है। वहीं, वन विभाग का कहना है कि संबंधित मामलों में जांच और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में गैर शिक्षक कर्मचारी संघ की 'कुर्सी' पर बवाल, दो गुटों में मारपीट

समर न्यूज़ | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के गैर शिक्षक कर्मचारी संघ में अध्यक्ष पद को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद, उस समय हिंसक रूप ले बैठा, जब संघ कार्यालय में दोनों गुट आमने-सामने आ गए। अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर शुरू हुई बहस देखते ही देखते मारपीट में बदल गई, जिससे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के पदाधिकारियों को पूछताछ के लिए थाने ले गई।

अध्यक्ष पद को लेकर चल रहे विवाद के बीच नीलकंठ गुट के सदस्य सुबह संघ कार्यालय पहुंचे और अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठ गए। कुछ देर बाद मौजूदा अध्यक्ष राजवंत कौर अपने समर्थकों के साथ कार्यालय पहुंचीं। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच पहले तीखी नोकझोंक हुई, जो जल्द ही हाथापाई और मारपीट में बदल गई। दोनों गुटों के समर्थक भी एक-दूसरे से भिड़ गए, जिससे कार्यालय परिसर में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। घटना के दौरान काफी देर तक हंगामा चलता रहा और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई।

नीलकंठ गुट का दावा है कि संघ अध्यक्ष का एक वर्ष का कार्यकाल पूरा हो चुका है और समय पर नए चुनाव नहीं कराए गए। दूसरी ओर, राजवंत कौर गुट स्वयं को वैध रूप से निर्वाचित पदाधिकारी बताते हुए अध्यक्ष पद पर अपना अधिकार जता रहा है। इसी अधिकार विवाद ने बुधवार को टकराव का रूप ले लिया। पुलिस तत्काल संघ कार्यालय पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

दोनों गुटों के पदाधिकारियों को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और शिकायत के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैथल में बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या, सूचना देने का शक था

समर न्यूज़ | कैथल

हरियाणा के कैथल जिले के मंडवाल गांव में टोटका कराने और भुक्की (नशीले पदार्थ) की सूचना पुलिस को देने के शक में एक परिवार पर कथित तौर पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है।

आरोप है कि पड़ोसी अपने साथियों के साथ रात के समय छत के रास्ते घर में घुस आए और ईंट, लोहे की रॉड तथा बरछी से हमला कर दिया। इस हमले में गंभीर रूप से घायल 70 वर्षीय निर्मल कौर की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हो गए।

पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राजौंद थाना पुलिस को दिए बयान में गांव मंडवाल निवासी शमशेर उर्फ शेरू ने बताया कि वह ट्रक चालक है।

रेवाड़ी में बीपीएल के राशन से लापरवाही का मामला भीगा अनाज सुखाकर बांटने की तैयारी पर कार्रवाई

समर न्यूज़ | रेवाड़ी

हरियाणा के रेवाड़ी जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गरीब परिवारों को मिलने वाले राशन में कथित लापरवाही का मामला सामने आया है। आरोप है कि बारिश में भीगकर खराब हो चुके गेहूं और चीनी को सुखाकर बीपीएल परिवारों में वितरित करने की तैयारी की जा रही थी।

मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने और शिकायत मिलने के बाद खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने संबंधित डिपो संचालक के तीनों डिपो की राशन आपूर्ति अगले आदेश तक निलंबित कर दी है। जानकारी के अनुसार, नई आबादी क्षेत्र के एक डिपो संचालक का पीडीएस राशन स्थानीय अंबेडकर चौपाल में रखा गया था। हाल ही में हुई भारी बारिश के दौरान चौपाल में रखा करीब 45 कट्टे गेहूं और 20 कट्टे चीनी पानी में भीग गए। लंबे समय तक नमी में पड़े रहने के कारण अनाज खराब होने लगा और उसमें दुर्गंध आने लगी।

आरोप है कि खराब हो चुके राशन की जानकारी विभाग को देने के बजाय डिपो संचालक ने उसे टीन शेड के नीचे फैलाकर सुखाना शुरू कर दिया, ताकि बाद में उसे लाभार्थियों में वितरित किया जा सके। इसी दौरान राशन सुखाने का वीडियो सामने आया, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी शिकायत खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक (डीएफएससी) नितेश सिंगला ने तत्काल दो सदस्यीय जांच समिति गठित की। जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर स्टॉक का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई कि राशन भीगने के बाद उसे सुखाया जा रहा था। इसके अलावा स्टॉक के रखरखाव और वितरण व्यवस्था में भी कई अनियमितताएं सामने आईं।

जांच रिपोर्ट के आधार पर विभाग ने संबंधित डिपो संचालक के अधीन संचालित वार्ड-25, नई आबादी और छिपटवाड़ा के तीनों डिपो की राशन आपूर्ति आगामी आदेश तक तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक नितेश सिंगला ने बताया कि विभाग को भीगा राशन सुखाकर वितरण करने की शिकायत मिली थी।

जांच में शिकायत सही पाए जाने के साथ कई अन्य खामियां भी सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों के राशन की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एनएच-44 पर दर्दनाक हादसा टायर बदल रहे दो युवकों की मौत

समर न्यूज़ | सोनीपत

राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर गन्नौर के बाल भवन स्कूल के समीप देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही बड़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, गांव शाहपुर निवासी मोहित अपने परिचित फरीदाबाद के गांव घरोरा निवासी अमित और एक अन्य युवक के साथ समालखा से कार में लौट रहे थे। रास्ते में बाल भवन स्कूल के पास उनकी कार का टायर पंचर हो गया। इसके बाद उन्होंने कार को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। मोहित और अमित पंचर टायर बदलने में जुट गए, जबकि तीसरा युवक उनके साथ खड़ा था।

इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आए एक ट्रक ने सड़क किनारे खड़े तीनों युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोहित और अमित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत के नागरिक अस्पताल भिजवा दिए हैं। साथ ही दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि फरार ट्रक और उसके चालक की पहचान की जा सके।

पुलिस का कहना है कि ट्रक चालक की तलाश तेज कर दी गई है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जल्द उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है।

तेज रफ्तार डंपर ने डिलीवरी बॉय को कुचला, मौत

खेड़की दौला टोल प्लाजा के पास हादसा, साथी कर्मचारियों का हाईवे पर प्रदर्शन, लगा लंबा जाम

अनुज पांचाल | गुरुग्राम
समर न्यूज़

दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-48) पर खेड़की दौला टोल प्लाजा के पास गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में ऑनलाइन ग्रॉसरी कंपनी के 26 वर्षीय डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना से गुस्साए डिलीवरी राइडर्स ने हाईवे पर प्रदर्शन किया, जिसके चलते कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा और शहर में कई स्थानों पर होम डिलीवरी सेवाएं भी ठप रहीं।

जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के अयोध्या निवासी अनिल के रूप में हुई है। वह पिछले करीब दो वर्षों से ऑनलाइन ग्रॉसरी कंपनी जेप्टो में डिलीवरी बॉय के तौर पर कार्यरत था। गुरुवार सुबह वह डिलीवरी के लिए निकला था। इसी दौरान खेड़की दौला टोल प्लाजा के पास एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित डंपर ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि अनिल डंपर के पहियों के नीचे आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद डंपर चालक कुछ देर के लिए वाहन से नीचे उतरा, लेकिन घायल की मदद करने के बजाय मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल अनिल ने सड़क पर ही दम तोड़ दिया। उसके कंधे पर टंगा कंपनी का डिलीवरी बैग हादसे के बाद भी वहीं पड़ा मिला।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में डिलीवरी राइडर्स मौके पर पहुंच गए। साथी की मौत से आक्रोशित कर्मचारियों ने पुलिस और एंबुलेंस की देरी का आरोप लगाते हुए जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्रदर्शनकारियों ने कुछ समय तक शव उठाने का विरोध किया। इस दौरान मौके पर तनाव की स्थिति बन गई और एंबुलेंस कर्मी के साथ धक्का-मुक्की की भी सूचना है।

साथी की मौत के विरोध में गुरुग्राम में कई डिलीवरी राइडर्स ने काम बंद कर दिया, जिससे शहर के विभिन्न इलाकों में ऑनलाइन ग्रॉसरी और अन्य होम डिलीवरी सेवाएं प्रभावित रहीं। प्रदर्शन के कारण एनएच-48 पर मानेसर की ओर जाने वाले मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और सुबह कार्यालय जाने वाले लोगों को भारी जाम का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे राइडर्स को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया है, जबकि फरार चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

साथ ही कंपनी के अधिकारियों से भी संपर्क किया जा रहा है, ताकि मृतक के परिजनों को नियमानुसार सहायता और अन्य आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। हादसे ने एक बार फिर सड़कों पर दिन-रात काम करने वाले डिलीवरी कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था और सड़क पर भारी वाहनों की लापरवाही और आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हिसार रोड पर पुराली प्लांट में आग 40 लाख के नुकसान का अनुमान

समर न्यूज़ | चरखी दादरी

हिसार रोड स्थित बहुअकबरपुर गांव में देर रात पुराली से गिट्टी बनाने वाले एक प्लांट में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि प्लांट में सो रहे श्रमिकों को अपनी जान बचाने के लिए बाहर भागना पड़ा। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन गुरुवार सुबह तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण प्लांट के विद्युत पैनल में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

प्लांट संचालक आशीष ने बताया कि करीब एक वर्ष पहले उन्होंने बहुअकबरपुर गांव में एक एकड़ भूमि पर पुराली से गिट्टी तैयार करने का प्लांट स्थापित किया था। यहां तैयार होने वाली गिट्टी झाड़ली स्थित पावर प्लांट में भेजी जाती है, जहां बिजली उत्पादन के दौरान कोयले के साथ इसका उपयोग किया जाता है। प्लांट में उत्पादन प्रक्रिया के लिए आधुनिक विद्युत पैनल लगाए गए हैं। रात करीब दो बजे प्लांट में मौजूद श्रमिकों को धुएं की गंध महसूस हुई। जब उन्होंने बाहर निकलकर देखा तो विद्युत पैनल के पास आग की लपटें उठ रही थीं। देखते ही देखते आग ने प्लांट में रखी पुराली और तैयार माल को अपनी चपेट में ले लिया। श्रमिकों ने तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई और घटना की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

हालांकि, प्लांट में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग पर काबू पाने में काफी समय लगा और गुरुवार सुबह तक दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे रहे। प्लांट संचालक के अनुसार, इस हादसे में तैयार माल, पुराली और अन्य मशीनरी को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने करीब 40 लाख रुपये के नुकसान का दावा किया है। फिलहाल संबंधित विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है और शॉर्ट सर्किट की आशंका को भी खंगाला जा रहा है।

बहादुरगढ़ में फर्जी पहचान पर रह रहा बांग्लादेशी झोलाछाप डॉक्टर गिरफ्तार

समर न्यूज़ | बहादुरगढ़

हरियाणा के बहादुरगढ़ से अवैध रूप से भारत में रह रहे एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि वह फर्जी पहचान पत्रों के सहारे पिछले करीब तीन वर्षों से इलाके में झोलाछाप डॉक्टर बनकर काम कर रहा था।

उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। अब उसे बांग्लादेश भेजने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार युवक की उम्र करीब 25 वर्ष है और उसका वास्तविक नाम टिंकर है। वह बांग्लादेश के नोराइल जिले का रहने वाला है।

जांच

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा ने वर्चुअल माध्यम से भवन की आधारशिला रखी

होडल न्यायिक परिसर में आधुनिक वकील चैंबर भवन का शिलान्यास, मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

सुंदर कुंडू | होडल (पलवल)
समर न्यूज़

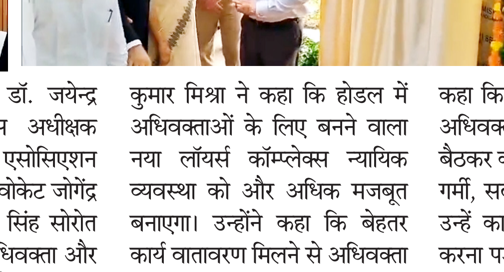

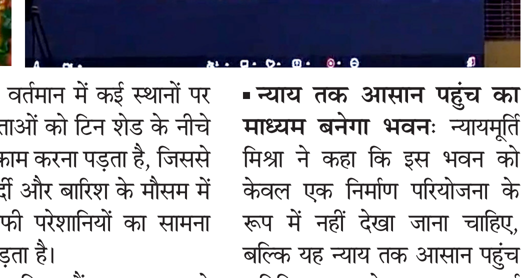

पलवल जिले के होडल स्थित उपमंडल न्यायिक परिसर में अधिवक्ताओं के लिए आधुनिक चैंबर भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा ने वर्चुअल माध्यम से भवन की आधारशिला रखी।

इस परियोजना के पूरा होने के बाद अधिवक्ताओं को आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्थायी कार्यस्थल मिलेगा, जिससे न्यायिक कार्यों के संचालन में भी अधिक सुगमता आएगी। कार्यक्रम में हरियाणा बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति हर सिमरन सिंह सेठी, न्यायमूर्ति राजेश भारद्वाज, न्यायमूर्ति संदीप मुदगिल, न्यायमूर्ति कुलदीप तिवारी, पलवल सेशन डिवीजन के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़, न्यायमूर्ति शालिनी सिंह और न्यायमूर्ति आराधना साहनी सहित कई न्यायाधीश वर्चुअल और प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुए। वहीं, पलवल के उपायुक्त डॉ. जयेन्द्र सिंह छिल्लर, पुलिस अधीक्षक नीतीश अग्रवाल, बार एसोसिएशन पलवल के अध्यक्ष एडवोकेट जोगेंद्र चौहान, सचिव लेखन सिंह सोरोत तथा बड़ी संख्या में अधिवक्ता और गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहे।

- **58 ट्विन-शेयरिंग चैंबर्स का होगा निर्माणः** कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा ने कहा कि होडल में अधिवक्ताओं के लिए बनने वाला नया लॉयर्स कॉम्प्लेक्स न्यायिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य वातावरण मिलने से अधिवक्ता अधिक प्रभावी ढंग से अपने दायित्व निभा सकेंगे और न्यायालय आने वाले वादकारियों को भी सम्मानजनक एवं सुविधाजनक माहौल मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई स्थानों पर अधिवक्ताओं को टिन शेड के नीचे बैठकर काम करना पड़ता है, जिससे गर्मी, सर्दी और बारिश के मौसम में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आधुनिक चैंबर भवन बनने से इन समस्याओं का समाधान होगा और न्यायिक व्यवस्था की कार्यक्षमता में भी सुधार आएगा।

- **न्याय तक आसान पहुंच का माध्यम बनेगा भवनः** न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि इस भवन को केवल एक निर्माण परियोजना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने भवन निर्माण समिति और प्रशासनिक अधिकारियों से परियोजना को बिना किसी अनावश्यक देरी के जल्द पूरा कराने का आह्वान किया, ताकि अधिवक्ताओं को शीघ्र आधुनिक सुविधाओं से लैस बार परिसर उपलब्ध कराया जा सके।

- **जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने बताया ऐतिहासिक दिनः** जिला एवं सत्र न्यायाधीश राज गुप्ता ने कहा कि होडल न्यायिक परिसर के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने बताया कि अधिवक्ताओं के लिए 58 ट्विन-शेयरिंग चैंबर्स का निर्माण न्यायिक अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे विधिक समुदाय को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा और न्याय वितरण प्रणाली और अधिक प्रभावी बनेगी।

53 साल का इंतजार... तीन पीढ़ियां गुजर गईं, अब भी हजारों परिवारों को नही मिल पाया न्याय

वर्ष 1973 में पौंग बांध बनने से 20,722 परिवार विस्थापित हुए, 16,352 परिवारों को पात्र घोषित किया गया, अभी तक करीब दस हजार परिवारों को मिला हक, 5,418 मुरब्बों का आवंटन अब भी बाकी

- हजारों परिवार आज भी अपने पुश्तैनी अधिकार की प्रतीक्षा में
- लोगों ने अपनी आंखों के सामने अपने घर, खेत, मंदिर और पूरे गांवों को डूबते देखा था

संजीव महाजन | नूरपुर
समर न्यूज

53 साल पहले पौंग का पानी गांवों को डुबो गया था... लेकिन विस्थापितों की उम्मीदें आज भी नहीं डूबी

यह सिर्फ मुरब्बों के आवंटन की कहानी नहीं, बल्कि उन अधूरे वादों की कहानी है, जिन पर तीन पीढ़ियां भरोसा करती रहीं। आज भी हजारों आंखें उस दिन का इंतजार कर रही हैं, जब उन्हें सिर्फ जमीन का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों से किए गए वादे का सम्मान, न्याय और उनका खोया हुआ अधिकार वापस मिलेगा। पौंग की लहरों ने गांवों को डूबो दिया,लेकिन इंसाफ की उम्मीद आज भी किनारे पर खड़ी है। 53 वर्षों का यह इंतजार अब सिर्फ पुनर्वास का मुद्दा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के सम्मान, उनके अस्तित्व और सरकारों से किए गए वादों की परीक्षा बन चुका है। अब देखना यह होगा कि क्या यह इंतजार यहीं खत्म होगा, या आने वाली चौथी पीढ़ी भी अपने बुजुर्गों की तरह सिर्फ एक वादे के सहारे जिंदगी गुजारने को मजबूर होगी।

53 साल पहले पौंग बांध (महाराणा प्रताभ सागर झील) का पानी केवल हजारों घर, खेत और पूरे गांव ही नहीं डुबोकर ले गया था, बल्कि लाखों सपनों को भी अपने साथ बहा ले गया था। उस समय लोगों से वादा किया गया था कि बदले में उन्हें जमीन मिलेगी, नया आशियाना मिलेगा और भविष्य सुरक्षित होगा। लेकिन आधी सदी से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी हजारों परिवार आज न्याय की आस लगाए बैठे हैं।

कई लोग इस उम्मीद में दुनिया छोड़ गए, कई पीढ़ियां बूढ़ी हो गईं, लेकिन उनका इंतजार आज भी खत्म नहीं हुआ। यह सिर्फ जमीन का नहीं, बल्कि टूटे वादों, बिछड़े घरों और तीन पीढ़ियों के संघर्ष की कहानी है। वर्ष 1973 में पौंग बांध बनने से 20 हजार 722 परिवार विस्थापित हुए। इनमें से 16 हजार 352 परिवारों को पात्र घोषित किया गया। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार 1980 तक 9 हजार 196 परिवारों को भूमि मिली। इसके बाद 2000-2001 में 1 हजार 388, 2014 से 2017 के बीच 350 और इस वर्ष 2026 में करीब 400 परिवारों को मुरब्बों का आवंटन किया गया।फिर भी 5 हजार 418 मुरब्बों का आवंटन आज भी शेष है और हजारों परिवार अपने पुश्तैनी अधिकार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सरकारी फाइलों में दर्ज यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि हजारों अधूरे जीवन और टूटे हुए वादों की गवाही देते हैं।पौंग बांध से प्रभावित 20,722 परिवारों में से 16,352 परिवार पात्र घोषित किए गए थे। अब तक विभिन्न चरणों में हजारों परिवारों को भूमि आवंटित की जा चुकी है। वर्ष 2026 में अभी तक करीब 400 परिवारों को मुरब्बे दिए गए हैं। सबसे दर्दनाक सच यह है कि जिन लोगों ने अपनी आंखों के सामने अपने घर, खेत, मंदिर और पूरे गांवों को डूबते देखा था, उनमें से अधिकांश अब इस दुनिया में नहीं हैं।

कई माता-पिता अपने बच्चों से यह कहते हुए दुनिया से चले गए कि... "एक दिन हमारी जमीन जरूर मिलेगी..." लेकिन वह दिन उनके जीवन में कभी नहीं आया। आज उनके बच्चे भी बुजुर्ग हो चुके हैं और कई परिवारों की तीसरी पीढ़ी को यह तक नहीं पता कि उनके पूर्वजों के नाम पर आज भी मुरब्बा आवंटन का अधिकार सरकारी फाइलों में कैद है। समय बीतता गया... चेहरे बदलते गए... लेकिन इंतजार नहीं बदला।

आज भी 830 लंबित मामलों में अंतिम बार आवेदन मांगे गए हैं। करीब 2 हजार फाइलें आरएंडआर कार्यालय, राजा का तालाब और लगभग 1,500 फाइलें राजस्थान सरकार के विभिन्न स्तरों पर लंबित हैं और धूल फांक रही हैं।

सुविधा: कुल्लू, ऊना, बिलासपुर, सोलन सहित आठ अस्पतालों में लगेंगी 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीनें

नाहन, हमीरपुर, बिलासपुर, धर्मशाला और सोलन में शुरू की जाएगी डिजिटल मैमोग्राफी सुविधा

- 42 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों की खरीद प्रक्रिया जारी
- मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

समर न्यूज | शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार जिला अस्पतालों और सभी सात राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ कर रही है ताकि लोगों को घर-द्वार के समीप ही बेहतर उपचार की सुविधा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने आज यहां स्वास्थ्य विभाग की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जिला अस्पताल लोगों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन संस्थानों के सुदृढ़ीकरण के दृष्टिगत क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर, कुल्लू, ऊना और सोलन, जिला अस्पताल किन्नौर, डॉ. वाई.एस. परमार राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल नाहन, क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला तथा पालमपुर में 1.5 टेस्ला एमआरआई मशीनें स्थापित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में अत्याधुनिक 3 टेस्ला एमआरआई मशीनें भी लगाई जा रही हैं, जिससे विशेषज्ञ जांच और उपचार की सुविधाएं और अधिक बेहतर होंगी।

उन्होंने कहा कि नैदानिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जिला अस्पताल नाहन और हमीरपुर, क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर और सोलन तथा क्षेत्रीय अस्पताल धर्मशाला में डिजिटल मैमोग्राफी मशीनें भी लगाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 42 हैंडहेल्ड एक्स-रे मशीनों की खरीद प्रक्रिया जारी है, जिनमें से 14 मशीनें प्राप्त हो चुकी हैं। दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जांच के लिए इन मशीनों का उपयोग किया जाएगा। इनका उपयोग छाती की जांच और टीबी की जल्द पहचान के लिए किया जाएगा, जिससे समय पर उपचार सुनिश्चित हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशलिटी चमियाना, आईजीएमसी शिमला, डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय टांडा, डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय नेरचौक में 256-स्लाइस हाई-एंड सीटी स्कैन मशीनें स्थापित की जाएंगी। इसके अलावा प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में डिजिटल एक्स-रे और 4डी अल्ट्रासाउंड मशीनें भी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि एम्स, नई दिल्ली के मानकों के अनुरूप सभी चिकित्सा उपकरणों की खरीद सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों के रेडियोलॉजी विभागों को और मजबूत करने के भी निर्देश दिए, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और तकनीशियनों की भर्ती की प्रगति की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है और शीघ्र ही सभी सात सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में आवश्यक पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की खरीद की समीक्षा करते हुए प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य प्रदेश में ही विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना है, ताकि लोगों को उपचार के लिए राज्य से बाहर न जाना पड़े।

बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार मीडिया नरेश चौहान, मुख्य सचिव के.के. पंत, प्रधान सचिव एम. सुधा देवी, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, एनएचएम के मिशन निदेशक प्रदीप ठाकुर, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. गोपाल बेरी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राजेंद्र राणा ने सुक्खू पर साधा निशाना, बोले- राजनीति छोड़ ज्योतिष करने में लगे हैं सीएम

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज

प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने हमीरपुर में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खु और प्रदेश सरकार पर कई मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री राजनीतिक मुद्दों पर जवाब देने के बजाय भविष्यवाणी करने में व्यस्त हैं और उन्हें अपनी पार्टी की स्थिति पर ध्यान देना चाहिए।

राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार भाजपा के भविष्य को लेकर बयान दे रहे हैं, जबकि पंचायत और जिला परिषद चुनावों के नतीजे कांग्रेस की वास्तविक स्थिति को दर्शा चुके हैं। उनका दावा था कि हमीरपुर जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस को केवल एक सीट मिली और आने वाले समय में पार्टी की स्थिति और कमजोर होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को भाजपा की बजाय कांग्रेस संगठन को मजबूत करने की सलाह दी।पुलिस बैंड हार्मनी से जुड़े अधिकारी के निलंबन पर भी राणा ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि इस बैंड ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है, ऐसे में संबंधित अधिकारी के खिलाफ की गई कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। राणा ने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति भी प्रभावित हुई है और सरकार की कार्यशैली से पुलिस की छवि पर असर पड़ा है। हमीरपुर नगर परिषद को नगर निगम घोषित किए जाने के मुद्दे पर भी उन्होंने सरकार को घेरा। राणा ने कहा कि नगर निगम का दर्जा देने की घोषणा तो कर दी गई, लेकिन दो वर्षों से नगर निगम का गठन और चुनाव नहीं हो पाए हैं।

लोगों को अपने दैनिक प्रशासनिक कार्यों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार केवल घोषणाओं तक सीमित है, जबकि जमीनी स्तर पर विकास कार्यों की गति धीमी पड़ गई है। राणा ने कहा कि जनता अब सरकार की कार्यप्रणाली को समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से देगी।

अवैध बीयर से भरा ट्रक एसटीएफ ने किया जब्त

समर न्यूज | मंडी

हिमाचल प्रदेश में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल टास्क फोर्स कुल्लू और मंडी की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। मंडी जिले की मलोरी फोरलेन टनल के पास नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक ट्रक से 519 पेटी अवैध बीयर बरामद कर ट्रक को जब्त कर लिया है।

एसटीएफ कुल्लू के डीएसपी हेम राज वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि नियमित चेकिंग के दौरान एक ट्रक को संदेह के आधार पर रोका गया। तलाशी लेने पर ट्रक के भीतर किंगफिशर और टुबोर्ग ब्रांड की कुल 519 पेटियां बीयर बरामद हुईं।

भीम डवारी तक खोला जाए श्रीखंड महादेव यात्रा का मार्ग

मनमिंदर अरोड़ा | कुल्लू
समर न्यूज

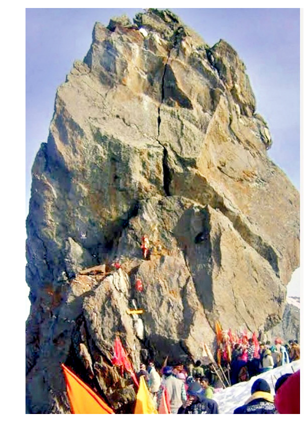

उतर भारत की दुर्गम श्रीखंड महादेव यात्रा को एक बार फिर से शुरू करने की प्रशासन को अनुमति दी जानी चाहिए। ऐसे में इसी मुद्दे को लेकर श्रीखंड महादेव संगठन का प्रतिनिधिमंडल ढालपुर में डीसी कुल्लू से मिला और यात्रा को शुरू करने के बारे में भी चर्चा की।

इस दौरान संगठन के सदस्यों ने सुझाव दिया कि अगर यह यात्रा रेड जोन में आ रही है। तो इस साल श्रद्धालुओं को भीम डवारी तक जाने की अनुमति दी जाए। ताकि श्रद्धालु वहीं से ही श्रीखंड महादेव के दर्शन कर सके। श्रीखंड महादेव संगठन के प्रधान मोहन सिंह ने बताया कि इस साल इस यात्रा को आधिकारिक तौर पर पूरी तरह से बंद कर दिया है।

इससे यात्रा से जुड़े हुए कारोबारी को भी दिक्कतों का सामना पड़ रहा है। हर साल यह यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की जाती है। लेकिन इस साल अचानक से इस यात्रा पर रोक लगा दी गई है। मोहन सिंह ने बताया कि अब डीसी कुल्लू ने भी उन्हें आश्वासन दिया है कि जल्द सभी विभागों की एक कमेटी यात्रा के रास्ते की जॉइंट इंस्पेक्शन करेगी।

इसके बाद यह तय किया जाएगा कि यह यात्रा कहां तक शुरू की जा सकती है। मोहन सिंह ने कहा कि प्रशासन को चाहिए कि वह जल्द से जल्द जॉइंट इंस्पेक्शन करवाई और श्रद्धालुओं को भीम डवारी तक जाने की अनुमति दे। क्योंकि वहां से श्रीखंड महादेव के सीधे दर्शन होते हैं। ऐसे में श्रद्धालु इस साल भी। डवारी से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर सकते हैं।

प्रधान मोहन सिंह ने बताया कि श्रीखंड महादेव यात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि इससे क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों की आजीविका भी जुड़ी हुई है। प्रतिनिधिमंडल में पोर्टर, गाइड, टेंट संचालक, खच्चर संचालक और यात्रा से जुड़े अन्य कारोबारी शामिल रहे। उन्होंने प्रशासन के समक्ष चिंता जताई कि हर वर्ष जुलाई के दूसरे सप्ताह में यात्रा शुरू हो जाती थी।

इस बार अब तक अनुमति नहीं मिलने से स्थानीय लोगों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति पैदा हो रही है। उन्होंने कहा कि श्रीखंड महादेव यात्रा के दौरान क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

जिला परिषद कुल्लू में 23 साल बाद भाजपा का कब्जा

समर न्यूज | कुल्लू

जिला मुख्यालय ढालपुर के जिला परिषद भवन में जिला परिषद कुल्लू के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव करवाए गए। इन चुनावों में वशिष्ठ वार्ड से भाजपा समर्थित सदस्य ठाकुरदास को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। वहीं, आनी के ब्रो वार्ड से नीना जोशी को उपाध्यक्ष पद के लिए चुना गया।

ऐसे में 14 वार्ड वाली जिला परिषद कुल्लू में भाजपा का 23 साल के बाद कब्जा हो गया। चुनावी प्रक्रिया में अध्यक्ष पद के लिए भाजपा की ओर से ठाकर दास और कांग्रेस ने प्रवीण ठाकुर को उम्मीदवार बनाया गया। वोटिंग के दौरान ठाकर दास को 10 और प्रवीण को 4 वोट मिले। उपाध्यक्ष पद के लिए भाजपा ने नीना जोशी और कांग्रेस ने डॉक्टर सुनील कुमार का नाम दिया, जिसमें नीना जोशी को 10 वोट और सुनील कुमार को 4 वोट हासिल हुए। जिसके बाद डीसी कुल्लू अनुराग चंद्र ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई. इस दौरान पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, जिला कुल्लू भाजपा के अध्यक्ष अमित सूद सहित अन्य भाजपा नेता भी उपस्थित रहे।

कुल्लू जिला परिषद चुनाव में 9 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी। 4 सीट पर कांग्रेस और एक सीट पर आजाद प्रत्याशी ने जीत हासिल की थी। ऐसे में करीब 10 दिन पहले भी जिला परिषद के चुनाव के लिए प्रशासन की ओर से तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन उस दिन कोरम पूरा नहीं हो पाया। उसके बाद प्रशासन द्वारा 16 जुलाई की तिथि तय की गई थी और 16 जुलाई को सभी सदस्यों ने कोरम पूरा कर इस चुनावी प्रक्रिया को पूरा किया. करीब डेढ़ माह के बाद जिला परिषद के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पदों पर भाजपा ने कब्जा जमा लिया है।

नशा तस्करों पर आर्थिक प्रहार, 2.28 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त

संजू | शिमला
समर न्यूज

शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान को और तेज करते हुए बड़ी वित्तीय कार्रवाई की है। पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में नशा तस्करी से अर्जित करीब 2 करोड़ 28 लाख रुपये की चल और अचल संपत्ति जब्त की है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट के तहत की गई वित्तीय जांच (फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन) के आधार पर की गई, जिससे स्पष्ट हुआ कि आरोपियों ने नशे के कारोबार से कमाए गए धन से संपत्तियां खरीदी थीं।

एक मामला कोटखाई थाना क्षेत्र का है, जो सितंबर 2024 में दर्ज किया गया था। इस मामले में 17 आरोपियों की आर्थिक जांच के दौरान सामने आया कि उन्होंने नशा तस्करी से अर्जित धन से 16 वाहन, दो आवासीय फ्लैट और एक रिहायशी भवन खरीदा था। संपत्तियों की अनुमानित कीमत 2 करोड़ 5 लाख रुपये है। जांच में पाया गया कि यह संपत्ति आरोपियों की वैध आय के अनुरूप नहीं थी, जिसके बाद पुलिस ने इन्हें जब्त कर लिया।

ऊना शहर की ट्रैफिक व्यवस्था का एसपी ने लिया जमीनी जायजा

तेज धूप में टीम के साथ सड़कों पर उतरे सचिन हीरेमठ, कहा- ट्रैफिक पर शहरवासियों के सुझावों पर गंभीरता से विचार करेगी पुलिस

राकेश | ऊना
समर न्यूज

शहर की बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था, नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन की स्थिति का जायजा लेने के लिए पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऊना सचिन हीरेमठ स्वयं अपनी टीम के साथ आज सड़कों पर उतरे।

उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव भाटिया, सदर थाना प्रभारी गौरव भारद्वाज, ट्रैफिक इंचार्ज तथा पुलिस बल मौजूद रहा। एसपी ने डीसी कार्यालय से लेकर रेड लाइट चौक तक पूरे बाजार क्षेत्र का पैदल निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक संचालन, पार्किंग व्यवस्था, अतिक्रमण और नो पार्किंग व नो वेंडिंग जोन के पालन की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। तेज धूप के बावजूद पुलिस टीम लंबे समय तक सड़कों पर डटी रही और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करती रही। एसपी सचिन हीरेमठ ने कहा कि डीसी ऊना द्वारा शहर में नो पार्किंग और नो वेंडिंग जोन लागू किए जाने के बाद उसकी जमीनी स्थिति का आकलन किया जा रहा है। यदि शहरवासी, व्यापारी या व्यापार मंडल ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कोई सुझाव देना चाहते हैं तो पुलिस उनका स्वागत करेगी व व्यवहारिक सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

नो पार्किंग जोन में नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्रवाई कर रही है। शहर में अतिरिक्त पार्किंग स्थलों की संभावनाओं पर संबंधित विभागों के साथ विचार किया जा रहा है।

आस्था घंटों इंतजार के बाद हुए दर्शन, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के चलते मंदिर परिसर व मुख्य मार्गों पर लगीं लंबी कतारें

श्रावण संक्रांति पर माता चिंतपूर्णी धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब

राकेश | ऊना
समर न्यूज

श्रावण मास की संक्रांति के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ माता श्री चिंतपूर्णी धाम में गुरुवार को श्रद्धालुओं का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा।

देश के विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए मंदिर पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के चलते मंदिर परिसर और मुख्य मार्गों पर लंबी कतारें लग गईं।

स्थिति ऐसी रही कि दर्शन के लिए बनाई गई डबल लाइन ओल्ड बस स्टैंड तक पहुंच गई। भीड़ अधिक होने के कारण श्रद्धालुओं को माता के दर्शन के लिए लगभग दो से तीन घंटे तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। इसके बावजूद भक्त पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कतारों में खड़े रहे तथा माता के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

मंदिर प्रशासन और पुलिस विभाग ने भीड़ को नियंत्रित करने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए। सुरक्षा कर्मियों को विभिन्न स्थानों पर तैनात किया गया, जबकि दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए पेयजल, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा गया।

प्रशासन का अनुमान है कि आगामी दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक वृद्धि होगी। विशेष रूप से 13 अगस्त से शुरू होने वाले पवित्र श्रावण अष्टमी मेले को लेकर भक्तों में अभी से भारी उत्साह देखा जा रहा है। मेले के दौरान लाखों श्रद्धालुओं के चिंतपूर्णी धाम पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है।श्रावण अष्टमी मेले की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

मेले की सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुगम दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 18 जुलाई को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी।

केवाईसी के नाम पर वृद्धावस्था व सहारा पेंशन रोकने से बाज आए सरकार : जयराम ठाकुर

कहा- समाज कल्याण के बजट में 63 फीसदी कटौती के बाद साज़िशन रोकी जा रही पेंशन

समर न्यूज शिमला

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से वृद्धावस्था पेंशन और सहारा योजना से जुड़ी गंभीर शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। बड़ी संख्या में पात्र बुजुर्ग पहचान सत्यापन (केवाईसी) प्रक्रिया में हुई त्रुटियों और प्रशासनिक लापरवाही के कारण लंबे समय से पेंशन से वंचित हैं।

सरकार केवाईसी के नाम पर जरूरतमंद लोगों की पेंशन रोकने से बाज आए। चालू वित्त वर्ष के लिए घोषित एससी, एसटी, ओबीसी, माइनॉरिटी एवं समाज कल्याण के बजट को सुक्खू सरकार ने 1,618 करोड़ रुपये से घटाकर 604 करोड़ रुपये कर दिया है। बजट में 63 प्रतिशत की कटौती के कारण लोगों को पेंशन नहीं मिल रही है और इसी वजह से सरकार केवाईसी जैसी तकनीकी खामियों की आड़ में वृद्धावस्था एवं सहारा पेंशन समेत समाज कल्याण की अन्य योजनाओं को रोक रही है।

इसका खामियाजा पात्र लाभार्थियों को भुगतना पड़ रहा है और अनेक लोगों की पेंशन एक वर्ष या उससे अधिक समय से शुरू नहीं हो पाई है। ऐसी शिकायतें भी सामने आ रही हैं कि जब बुजुर्ग संबंधित कार्यालयों में जानकारी लेने जाते हैं तो उन्हें यह कहकर वापस भेज दिया जाता है कि फंड नहीं आया है या केस भेज दिया गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि इससे भी अधिक गंभीर विषय यह है कि सहारा योजना के कई वास्तविक लाभार्थियों को रिकॉर्ड में मृत दर्शाकर उनकी पेंशन रोक दी गई है।

जिन लोगों का सत्यापन किए बिना उन्हें मृत घोषित कर पेंशन बंद कर दी गई, उनके साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। सरकार को ऐसे सभी मामलों की जिला स्तर पर निष्पक्ष जांच करानी चाहिए और प्रत्येक मामले का पुनः सत्यापन कराया जाना चाहिए। जिन लाभार्थियों को गलत तरीके से मृत दर्शाकर उनकी पेंशन रोकी गई है, उनकी पेंशन तत्काल बहाल की जाए।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए चंडीगढ़ तैयार

शहर में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे मोदी, डीसी ने व्यवस्थाओं की समीक्षा की

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को प्रस्तावित चंडीगढ़ दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रधानमंत्री शहर में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इनमें पीजीआईएमईआर का अत्याधुनिक एडवांस्ड न्यूरोसाइंस सेंटर, मदर एंड चाइल्ड सेंटर, पंजाब यूनिवर्सिटी के सेक्टर-25 स्थित साउथ कैंपस में बहुउद्देश्यीय सभागार और ट्राइसिटी क्षेत्र की 5,278 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाएं शामिल हैं।

तैयारियों की समीक्षा के लिए उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बुधवार को उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ पुलिस, नगर निकायों और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। उपायुक्त ने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ पुख्ता और त्रुटिरहित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री का मुख्य कार्यक्रम पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम स्थल और वीवीआईपी मूवमेंट वाले मार्गों पर व्यवस्थाओं को सुचारु रखने के लिए वेन्यू इंचार्ज, कार्यकारी मजिस्ट्रेट और सेक्टर इंचार्जों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में सुरक्षा, प्रोटोकॉल, यातायात प्रबंधन, कार्यक्रम स्थल की तैयारी, पार्किंग, आपातकालीन सेवाओं और आम लोगों की सुविधा से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने कार्यक्रम स्थल पर पीने के पानी, शौचालय, पर्याप्त पार्किंग और चिकित्सा सहायता की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मानसून के मौसम को देखते हुए अधिकारियों को जल निकासी की उचित व्यवस्था करने, जलभराव रोकने और बारिश की स्थिति में सुरक्षित पैदल मार्ग तैयार रखने को कहा गया है।

उपायुक्त ने ग्रीन रूम, हेलीपैड और अन्य प्रोटोकॉल स्थलों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के सुचारु संचालन और सभी आवश्यक सेवाओं को पूरी तरह तैयार रखने पर भी जोर दिया। इस मौके पर कड़ी सुरक्षा रहेगी।

पीएम के चंडीगढ़ आगमन पर दोपहर 3 बजे तक कई मार्ग रहेंगे प्रतिबंधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार, 17 जुलाई को चंडीगढ़ दौरे के मद्देनजर चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस ने विशेष ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात को डायवर्ट या प्रतिबंधित किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, चंडीगढ़-नयागांव बैरियर से पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (पीईसी) लाइट प्वाइंट होते हुए सेक्टर-2/3/10/11 चौक तक यातायात दोपहर 3 बजे तक प्रतिबंधित या डायवर्ट रहेगा। वीवीआईपी दौरे के कारण आवश्यकता पड़ने पर शहर के कुछ अन्य मार्गों पर भी वाहनों की आवाजाही रोकी या बदली जा सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे असुविधा और जाम से बचने के लिए प्रभावित मार्गों का इस्तेमाल न करें तथा वैकल्पिक रास्तों को अपनाएं। वाहन चालकों को वास्तविक समय की ट्रैफिक जानकारी के लिए चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर नजर रखने की सलाह दी गई है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले मेहमानों, आमंत्रित व्यक्तियों और सरकारी कर्मचारियों को अपने वाहन केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़े करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि साइकिल ट्रैक, पैदल मार्ग और नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करना सख्त मना है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को क्रेन की मदद से हटाया जाएगा और संबंधित वाहन चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ. बलजीत कौर ने आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ करियर्स एंड कोर्सेज के सैकड़ों विद्यार्थियों से किया विशेष संवाद

सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों को वितरित किए प्रमाण पत्र

- अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को किया प्रेरित
- अधिकारियों को संस्थान में संचालित पाठ्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब की सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मोहाली स्थित अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ करियर्स एंड कोर्सेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से विशेष संवाद किया और उन्हें कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उन्होंने सफलतापूर्वक विभिन्न पाठ्यक्रम पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

कार्यक्रम का शुरुआत श्री सुखमनी साहिब के पाठ से हुआ। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर, सांसद श्री मलविंदर सिंह कंग तथा विधायक श्री कुलवंत सिंह ने उपस्थित होकर सर्वजन कल्याण की अरदास की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि संस्थान के भवन के विकास तथा आधारभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 1.35 करोड़ रुपये व्यय किए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण का बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री स.भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार अनुसूचित जातियों के विद्यार्थियों की शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने बताया कि अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ करियर्स एंड कोर्सेज में बैंक पीओ, एएओ, पंजाबी एवं अंग्रेजी स्टेनोग्राफी तथा आईएएस और पीसीएस परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध है। नियमानुसार उन्हें छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाती है।

डॉ. बलजीत कौर ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखें।

डीएम गगनदीप रंधावा आत्महत्या मामला

सरकार ने हाईकोर्ट को बताया- पुलिस चालान दाखिल कर चुकी, साक्ष्य सीएफएसएल भेजे गए

- लालजीत सिंह भुल्लर ने याचिका में पक्षकार बनाए जाने की मांग की

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज़

पंजाब सरकार ने आईएएस अधिकारी एवं पूर्व डीएम गगनदीप रंधावा आत्महत्या मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट को बताया कि पुलिस इस मामले में चालान अदालत में पेश कर चुकी है। साथ ही मामले से जुड़े वीडियो साक्ष्यों को फोरेंसिक जांच के लिए केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) भेज दिया गया है।

सरकार के इस जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। इसी बीच मामले में आरोपी बनाए गए पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने भी हाई कोर्ट में आवेदन दायर कर उन्हें इस याचिका में पक्षकार बनाए जाने की मांग की है। दरअसल, यह याचिका गगनदीप रंधावा की पत्नी ओपिंदर कौर ने दायर की है। उन्होंने हाई कोर्ट से मामले की जांच पंजाब पुलिस से लेकर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है।

याचिका में ओपिंदर कौर ने आरोप लगाया है कि उनके पति की आत्महत्या के मुख्य आरोपी पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर तथा अन्य लोग हैं। उनका कहना है कि मामले में प्रभावशाली लोगों के नाम होने के कारण राज्य सरकार कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही है और न ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

याचिका में यह भी कहा गया है कि पंजाब पुलिस इस मामले की निष्पक्ष जांच करने की स्थिति में नहीं है, क्योंकि आरोप एक मौजूदा मंत्री, उनके पिता और अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों पर हैं। ऐसे में निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच सुनिश्चित करने के लिए पूरे मामले की जांच सीबीआई को सौंपी जानी चाहिए। इससे पहले हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार और सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

अब पंजाब सरकार ने अदालत को जांच की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया है और बताया है कि पुलिस चालान दाखिल कर चुकी है तथा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच सीएफएसएल में कराई जा रही है।

सरकार का जवाब रिकॉर्ड पर लेने के बाद हाई कोर्ट ने मामले की आगे की सुनवाई सोमवार के लिए निर्धारित कर दी है। वहीं, लालजीत सिंह भुल्लर की ओर से दायर पक्षकार बनाए जाने की अर्जी पर भी अदालत आगामी सुनवाई में विचार कर सकती है।

पीएम मोदी के दौरे से पहले जिले भर में चला ऑपरेशन कासो

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटल-गेस्ट हाउस और बॉर्डर पर सघन चेकिंग, संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को प्रस्तावित दौरे से पहले मोहाली पुलिस ने पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के लिए व्यापक अभियान शुरू कर दिया है। जिलेभर में ऑपरेशन कासो (कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन) चलाया गया। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, होटल, गेस्ट हाउस और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर सघन चेकिंग की गई।

वहीं एयरपोर्ट रोड, चंडीगढ़-मोहाली बॉर्डर और जिले के सभी प्रमुख प्रवेश एवं निकास मार्गों पर अतिरिक्त बैरिकेडिंग कर वाहनों की बारीकी से जांच की जा रही है। एसएसपी हरमनदीप सिंह हंस ने कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। सभी फील्ड अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों और आदतन अपराधियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई भी की जा रही है।

डीएसपी सिटी-2 हरसिमरन सिंह बल की अगुवाई में पुलिस टीमों ने ऑपरेशन कासो के तहत होटलों और गेस्ट हाउसों में ठहरे लोगों की पहचान का सत्यापन किया। अभियान के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ भी की गई। सभी थाना प्रभारियों को लगातार गश्त करने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, प्रमुख चौक-चौराहों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।

ट्रैफिक पुलिस ने पीएम के काफिले की निर्बाध आवाजाही और आम लोगों को न्यूनतम असुविधा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ट्रैफिक प्रबंधन योजना लागू की है।

एफआईआर लंबित होने मात्र से कर्मचारी की ग्रेच्युटी नहीं रोक सकतेः हाई कोर्ट

चालान पेश हुए बिना रिटायरमेंट लाभ रोकने का कोई कानूनी आधार नहीं, पंजाब सरकार को ब्याज सहित भुगतान का आदेश

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने एक फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि केवल एफआईआर दर्ज होने या उसके लंबित रहने के आधार पर किसी कर्मचारी की ग्रेच्युटी नहीं रोकी जा सकती। अदालत ने कहा कि जब तक आपराधिक अदालत में चालान (चार्जशीट) पेश नहीं किया जाता, तब तक कर्मचारी के सेवानिवृत्ति लाभ रोकने का कोई कानूनी आधार नहीं बनता।

हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी की ग्रेच्युटी के भुगतान में हुई देरी पर छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज देने का भी निर्देश दिया है। जस्टिस नमित कुमार ने अपने फैसले में कहा, रिटायरमेंट लाभ किसी प्रकार की कृपा या अनुग्रह नहीं हैं, बल्कि यह कर्मचारी का एक मूल्यवान वैधानिक अधिकार है। किसी कर्मचारी को कानून के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया के अलावा इन लाभों से वंचित नहीं किया जा सकता।

मामले के अनुसार याचिकाकर्ता 28 फरवरी 2011 को पंजाब पुलिस में सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनकी 5,50,869 रुपये की ग्रेच्युटी इस आधार पर रोक ली गई थी कि उनके खिलाफ 19 फरवरी 2007 को मोहाली के फेज-8 थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 323, 341 और 368 सहित अन्य धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज थी। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि पुलिस ने इस मामले में 12 जुलाई 2007 को ही कैंसिलेशन रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी थी, जबकि सेवानिवृत्ति के बाद भी उनकी ग्रेच्युटी जारी नहीं की गई।

बाद में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, मोहाली ने 1 जुलाई 2014 को कैंसिलेशन रिपोर्ट स्वीकार की। इसके बाद 13 अक्टूबर 2014 को ग्रेच्युटी मंजूर हुई और 1 जनवरी 2015 को उसका भुगतान किया गया। याचिकाकर्ता ने करीब चार वर्ष की देरी के लिए ब्याज की मांग की। राज्य सरकार ने दलील दी कि आपराधिक मामला लंबित होने के कारण ग्रेच्युटी जारी नहीं की जा सकती थी और कैंसिलेशन रिपोर्ट स्वीकार होने के बाद बिना अनावश्यक देरी के भुगतान कर दिया गया।

रिकॉर्ड का अवलोकन करने के बाद हाई कोर्ट ने पाया कि कर्मचारी की ग्रेच्युटी केवल एफआईआर लंबित होने के कारण रोकी गई थी, जबकि सेवानिवृत्ति से काफी पहले कैंसिलेशन रिपोर्ट अदालत में दाखिल हो चुकी थी।

जस्टिस नमित कुमार ने कहा, "केवल एफआईआर लंबित होना और आरोपी के खिलाफ आरोप तय न होना, कर्मचारी के सेवानिवृत्ति लाभ रोकने का आधार नहीं हो सकता। इस मामले में सेवानिवृत्ति की तिथि तक कैंसिलेशन रिपोर्ट अदालत में दाखिल थी। ऐसे में ग्रेच्युटी रोकने का न तो कोई कानूनी अवरोध था और न ही कोई औचित्य। हाई कोर्ट ने अपने पूर्व निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि आपराधिक कार्यवाही की शुरुआत तभी मानी जाती है, जब सक्षम अदालत में चालान या चार्जशीट पेश की जाती है। केवल एफआईआर दर्ज होना या उसका लंबित रहना रिटायरमेंट लाभ रोकने का अधिकार नहीं देता।

याचिका स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने पंजाब सरकार को 1 मई 2011 से 1 जनवरी 2015 तक ग्रेच्युटी की देरी से अदायगी पर छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज का भुगतान करने तथा आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के दो माह के भीतर पूरी प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया।

मोहालीः सेक्टर-118 में 220 केवी हाई-वोल्टेज लाइन का रूट बदलने पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने मोहाली के सेक्टर-118 स्थित टीडीआई सिटी से गुजरने वाली 220 केवी ओवरहेड बिजली लाइन के री-अलाइनमेंट और उसे चालू करने की प्रक्रिया पर अगले आदेशों तक अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने यह आदेश स्थानीय निवासियों की ओर से दायर सिविल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

यह याचिका सेक्टर-118 के निवासी राघव गोयल, दीपक गौतम और अन्य लोगों ने अधिवक्ता श्रीनाथ ए. खेमका के माध्यम से दायर की है। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि प्रस्तावित री-अलाइनमेंट के बाद हाई-वोल्टेज लाइन उनके घरों से करीब 12 मीटर की दूरी पर आ जाएगी।

गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना में श्रद्धापूर्वक मनाया भाई तारू सिंह जी का शहीदी दिवस

समर न्यूज़ | मोहाली

धन-धन अमर शहीद जत्थेदार बाबा हनुमान सिंह जी के शहीदी स्थान गुरुद्वारा सिंह शहीदां सोहाना में सिखी सिद्धांतों और केशों की मर्यादा के लिए अद्वितीय बलिदान देने वाले भाई तारू सिंह जी का शहीदी दिवस बड़ी श्रद्धा और धार्मिक भावना के साथ मनाया गया।

समागम के संबंध में सुबह नौ बजे श्री सहज पाठ साहिब के भोग डाले गए। इसके बाद पूरे दिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाई दलबीर सिंह के अंतरराष्ट्रीय ढाडी जत्थे ने भाई तारू सिंह जी की धर्म और गुरसिखी की रक्षा के लिए दी गई अनुपम शहादत का प्रसंग ढाडी वारों के माध्यम से विस्तारपूर्वक संगत को सुनाया। उन्होंने बताया कि भाई तारू सिंह जी ने अपने केश कटवाने के बजाय खोपड़ी उतरवाना स्वीकार किया और सिखी के प्रति अपने अटूट विश्वास की मिसाल कायम की। सचखंड तख्त श्री हजूर साहिब के हजूरी रागी भाई हरपाल सिंह ने मधुर गुरबाणी कीर्तन कर संगत को गुरु चरणों से जोड़ा।

गुरुद्वारा नाडा साहिब के मुख्य ग्रंथी एवं शिरोमणि प्रचारक ज्ञानी जगजीत सिंह ने प्रवचनों के माध्यम से भाई तारू सिंह जी के जीवन, सिखी के प्रति उनके समर्पण और शहादत के इतिहास की जानकारी दी।

35वीं बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता का बैडमिंटन क्लब 23 ने किया आयोजन

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

बैडमिंटन क्लब 23 द्वारा आज गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-23ए, चंडीगढ़ में 35वीं बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने पूरे उत्साह, जोश और खेल भावना के साथ भाग लिया।

50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में श्री नीरज सिंह एवं श्री प्रीतपाल सिंह की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रोमांचक तीन सेटों के मुकाबले में श्री बिक्रमजीत सिंह एवं श्री मनु उम्मत को 19–21, 21–18 और 21–16 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। वहीं 30–50 वर्ष आयु वर्ग में श्री गौरव सैनी एवं श्री विभोर कालरा की जोड़ी ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए श्री इंदरप्रीत सिंह एवं श्री सतपाल डागर को 21–20, 19–21 और 21–8 से हराकर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

आयोजन समिति ने सभी विजेताओं एवं प्रतिभागियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और खेल भावना की सराहना की। साथ ही घोषणा की गई कि 36वीं बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता का आयोजन 10 अक्टूबर 2026 (द्वितीय शनिवार) को किया जाएगा।

बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता का समापन आपसी भाईचारे, खेल भावना एवं सामुदायिक एकता के संदेश के साथ सफलतापूर्वक हुआ।

उपलब्धि

मुख्यमंत्री भगवंत मान मान सरकार के कार्यकाल में अब तक 175 कैडेट्स का चयन

तीन महीनों में महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 25 कैडेट्स चयनित

- कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कैडेटों की प्रशंसा , उज्ज्वल भविष्य और सफल प्रशिक्षण की कामना की

समर न्यूज़ | चंडीगढ़/मोहाली

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट, एस.ए.एस. नगर के 25 कैडेटों का पिछले तीन महीनों के दौरान भारतीय रक्षा सेवाओं की विभिन्न स्नातक (अंडरग्रेजुएट) एवं प्री-कमीशन प्रशिक्षण अकादमियों में चयन हुआ है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कार्यकाल में इस संस्थान के कुल 175 कैडेट देश की प्रतिष्ठित रक्षा प्रशिक्षण अकादमियों में चयनित हो चुके हैं। इन कैडेटों ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), वायु सेना अकादमी (एएफए) तथा ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) सहित देश की प्रमुख रक्षा संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त किया है। संस्थान के 16 कैडेट राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला में एनडीए-156 पाठ्यक्रम के लिए चयनित हुए हैं।

इनमें मोहाली के अभिष, अगमजीत विर्क, भुवन धीमान और विशेष करदवाल; मलेरकोटला के गुरकर्णजीत सिंह; गुरदासपुर के परमजोत सिंह और राजपाल सिंह; बठिंडा के गुनताज़ सचदेवा; अमृतसर के एकनूर सिंह और लविश; पठानकोट के सुखमनजीत सिंह मान; बरनाला के चन्नप्रीत सिंह सिद्धू; फरीदकोट के अरमान शर्मा; रूपनगर के हर्षवीर सिंह; पटियाला के दीपइंदर सिंह तथा होशियारपुर के जसजोत सिंह शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त होशियारपुर के अभय प्रताप सिंह ढिल्लों का भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला में चयन हुआ है। गुरदासपुर के मननूरप्रीत सिंह, पठानकोट के संकेत तथा जालंधर के समर्थ सिंह ढिल्लों का टीईएस-55 पाठ्यक्रम के अंतर्गत मिलिट्री कॉलेज ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सिकंदराबाद तथा मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, महू में प्रवेश हुआ है।

इसी प्रकार इशप्रीत सिंह ढिल्लों ने ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए), चेन्नई में प्रवेश लिया है। लुधियाना के मनवीर सिंह बेदी ने भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए), एझिमाला में एनओसी (एक्सटेंशन) पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश प्राप्त किया है, जबकि पठानकोट के जसनूर सिंह ने वायु सेना अकादमी (एएफए), डुंडीगल में प्रवेश लिया है। रूपनगर के सुखराज सिंह हीरा तथा श्री फतेहगढ़ साहिब के जगबीर सिंह भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून में प्रशिक्षण के लिए चयनित हुए हैं। इन कैडेटों को बधाई देते हुए पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा ने उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की।

उन्होंने कैडेटों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए देश की निष्ठापूर्वक सेवा करने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने बताया कि वर्तमान में संस्थान के 25 अन्य कैडेट एसएसबी साक्षात्कार और चिकित्सीय परीक्षण की प्रक्रिया में हैं।

होर्मुज में भारतीय नाविकों की तैनाती पर रोकः आदेश जारी; हमलों में 14 भारतीयों की मौत के बाद फैसला

अमेरिकी एयरस्ट्राइक के जवाब में ईरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन की ओर दागीं मिसाइलें, जॉर्डन ने आठ मिसाइलें मार गिराने का दावा किया

एजेंसी। तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिम को देखते हुए भारत ने अगले आदेश तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों की नई तैनाती पर रोक लगा दी है। यह आदेश जहाज मालिकों, जहाज प्रबंधन कंपनियों और नाविकों की भर्ती करने वाली रिक्रूटमेंट एंड प्लेसमेंट सर्विस लाइसेंस कंपनियों पर लागू होगा।

सरकार ने सभी समुद्री कंपनियों को अरब की खाड़ी, होर्मुज स्ट्रेट और आसपास के समुद्री इलाकों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा गया है कि वे नौवहन संबंधी सभी चेतावनियों और सुरक्षा सलाह पर लगातार नजर रखें और इंटरनेशनल शिप एंड पोर्ट फैसिलिटी सिक्योरिटी कोड का पूरी तरह पालन करें। सरकार का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब इसी हफ्ते होर्मुज स्ट्रेट और उसके आसपास हुए ईरानी हमलों में दो भारतीय नाविकों की मौत हो गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के बाद इस समुद्री मार्ग पर हमलों का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 28 फरवरी से अब तक इस क्षेत्र में हुए हमलों में कम से कम 14 भारतीय नाविकों की जान जा चुकी है।

पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा गहराया: पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। अमेरिका ने ईरान के

सैन्य ठिकानों पर नए हवाई हमले किए, जिसके जवाब में तेहरान ने बहरीन, कुवैत और जॉर्डन की दिशा में मिसाइल तथा ड्रोन हमले किए। जॉर्डन की सेना ने दावा किया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने उसके हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ रही आठ मिसाइलों को सफलतापूर्वक मार गिराया। बहरीन और कुवैत में भी हवाई हमले की चेतावनी के सायरन बजाए गए, जबकि कई स्थानों पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार ताजा कार्रवाई का उद्देश्य ईरान की उन सैन्य क्षमताओं को कमजोर करना था, जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात और अमेरिकी हितों के खिलाफ किया जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि हाल के दिनों में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों और क्षेत्रीय सुरक्षा को देखते हुए यह कार्रवाई आवश्यक थी। ईरान ने अमेरिकी हमलों को अपनी संप्रभुता का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई को आत्मरक्षा का अधिकार बताया।

ईरानी हमलों के बाद बहरीन और कुवैत में सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े की मौजूदगी के कारण वहां विशेष सतर्कता बरती जा रही है। कुवैत की वायु रक्षा प्रणाली भी सक्रिय रही और संभावित खतरों पर लगातार नजर रखी गई। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। जॉर्डन के सशस्त्र बलों ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने देश के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ रही आठ मिसाइलों को बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया। सेना के अनुसार इस कार्रवाई का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा और देश की संप्रभुता की रक्षा करना था। मिसाइलों के मलबे कुछ स्थानों पर गिरे, लेकिन किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है।

▪ समुद्री व्यापार पर बढ़ा खतरा
विश्लेषकों का कहना है कि मौजूदा संघर्ष का सबसे बड़ा असर होर्मुज जलडमरूमध्य पर पड़ सकता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का कच्चा तेल और गैस गुजरती है।

स्टेफानी का लगातार दूसरा शतक वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को हराया

वेस्टइंडीज महिला टीम ने सीरीज में किया क्लीन स्वीप

एजेंसी। ब्रेडी (आयरलैंड)

स्टेफानी टेलर के लगातार दूसरे शतक से वेस्टइंडीज की महिला टीम ने आयरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 64 रन से जीत लिया है।

इसी के साथ उसने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। यह जनवरी 2025 के बाद वेस्टइंडीज की पहली वनडे सीरीज जीत है। ब्रेडी में वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। टीम ने 82 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। यहां से स्टेफानी टेलर ने 105 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। उन्होंने लोअर ऑर्डर के बैटर्स के साथ अहम साझेदारियां की और स्कोर 257 रन तक पहुंचाया।

258 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम 193 रन पर सिमट गई और वेस्टइंडीज ने 64 रन से जीत दर्ज कर सीरीज जीत ली।

बंगाल की खाड़ी में रोहिंग्या शरणार्थियों की दो नावें पलटीं, 500 से अधिक के डूबने की आशंका

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता, म्यांमार और बांग्लादेश से निकले थे शरणार्थी

एजेंसी। जिनेवा

बंगाल की खाड़ी में रोहिंग्या शरणार्थियों को लेकर जा रही दो नौकाओं के पलटने से 500 से अधिक लोगों के मारे जाने की आशंका है।

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने घटना पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि दोनों नौकाओं में म्यांमार के रखाइन प्रांत और बांग्लादेश के कॉक्स बाजार स्थित शरणार्थी शिविरों से निकले सैकड़ों रोहिंग्या सवार थे। एक नौका से संपर्क टूट गया, जबकि दूसरी 8 जुलाई के आसपास समुद्र में डूब गई। राहत एजेंसियां अब भी घटना के सभी तथ्यों की पुष्टि कर रही हैं।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, लगातार संघर्ष, असुरक्षा, मानवीय सहायता में कमी और शरणार्थी शिविरों में खराब होती परिस्थितियों के कारण बड़ी संख्या में रोहिंग्या समुद्र के रास्ते मलेशिया और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों की ओर पलायन का जोखिम उठा रहे हैं। हालांकि मानसून के दौरान समुद्र में ऊंची लहरें और खराब मौसम इन यात्राओं को बेहद खतरनाक बना देते हैं।

मानवीय संकट गहराया: यूएनएचसीआर ने कहा कि यह हादसा रोहिंग्या समुदाय की लगातार बिगड़ती मानवीय स्थिति का दर्दनाक उदाहरण है। एजेंसी ने क्षेत्रीय देशों से समुद्र में फंसे लोगों के बचाव अभियान तेज करने, सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने और मानव तस्करी के नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई की अपील की है।

रोहिंग्या समुदाय वर्षों से म्यांमार में उत्पीड़न और विस्थापन का सामना कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2025 समुद्री मार्ग से पलायन करने वाले रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए अब तक का सबसे घातक वर्ष रहा था और 2026 में भी यह सिलसिला जारी है।

वनडे और टी-20 विश्व कप नए फॉर्मेट में होंगे

वनडे में 'सुपर-7' और टी-20 में 'सुपर-10' चरण से तय होंगे सेमीफाइनलिस्ट, क्वालिफिकेशन प्रणाली में भी बड़ा बदलाव

एजेंसी। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पुरुषों के वनडे और टी-20 विश्व कप के प्रारूप में बड़ा बदलाव करते हुए दोनों टूर्नामेंटों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने का फैसला किया है। नया प्रारूप क्रमशः 2027 वनडे विश्व कप और 2028 टी-20 विश्व कप से लागू होगा। इसके साथ ही क्वालिफिकेशन प्रणाली में भी व्यापक बदलाव किए गए हैं, ताकि उभरती क्रिकेट टीमों को अधिक अवसर मिल सकें। 2027 के वनडे विश्व कप में 14 टीमें भाग लेंगी। सबसे पहले रैंकिंग में सबसे नीचे रहने वाली तीन टीमें 'सुपर सीरीज' खेलेंगी, जिसमें शीर्ष टीम मुख्य चरण में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों को छह-छह के दो समूहों में बांटा जाएगा। दोनों समूहों की शीर्ष तीन-तीन टीमें और दोनों समूहों में चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली एक टीम 'सुपर-7' चरण में पहुंचेगी। यहां सातों टीमें एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। इससे प्रत्येक मुकाबले का महत्व बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

2028 के टी-20 विश्व कप में 20 टीमें खेलेंगी, लेकिन प्रारूप पहले से अलग होगा। शुरुआती दौर में पांच-पांच टीमों के बजाय चार-चार टीमों के पांच समूह बनाए जाएंगे। प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें 'सुपर-10' चरण में पहुंचेंगी।

यहां दो समूहों में पांच-पांच टीमें होंगी। दोनों समूहों की विजेता टीमें सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें एलिमिनेटर मुकाबले खेलेंगी। इन मुकाबलों के विजेता शेष दो सेमीफाइनल स्थान हासिल करेंगे।

क्वालिफिकेशन का रास्ता भी बदला

आईसीसी ने 2028 टी-20 विश्व कप के लिए नई क्वालिफिकेशन प्रणाली भी घोषित की है। 2026 टी-20 विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन करने वाली 12 टीमें सीधे अगले संस्करण के लिए क्वालीफाई करेंगी। शेष स्थानों के लिए क्षेत्रीय क्वालिफायर और वैश्विक क्वालिफायर आयोजित किए जाएंगे, जिससे एसोसिएट देशों को पहले की तुलना में अधिक प्रतिस्पर्धी अवसर मिलेंगे।

प्रतिस्पर्धा बढ़ाने पर जोर

आईसीसी का कहना है कि नए प्रारूप का उद्देश्य 'औपचारिक' या कम महत्व वाले मुकाबलों की संख्या घटाना और हर चरण को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। हालांकि क्रिकेट जगत में इस बदलाव पर मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आई है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने इसे रोमांच बढ़ाने वाला कदम बताया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नया प्रारूप पहले की तुलना में अधिक जटिल हो सकता है।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों से रूस की समुद्री आपूर्ति पर बड़ा असर

एजोव सागर में जहाजों की आवाजाही प्रभावित, नौ दिनों में 116 जहाजों को निशाना बनाने का यूक्रेन का दावा; रूस ने इसे 'आतंकवादी कार्रवाई' बताया

एजेंसी। मॉस्को

रूस-यूक्रेन युद्ध अब समुद्री मोर्चे पर भी निर्णायक दौर में पहुंचता दिख रहा है। यूक्रेन के लगातार ड्रोन हमलों के बाद रूस के लिए रणनीतिक रूप से अहम एजोव सागर में जहाजों की आवाजाही गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। यूक्रेन की ओर से दावा किया गया है कि उसकी ड्रोन इकाइयों ने पिछले नौ दिनों में 116 रूसी जहाजों को निशाना बनाया है।

इन हमलों के बाद रूस को एजोव सागर और डॉन-एजोव जलमार्ग पर जहाजों की आवाजाही सीमित करनी पड़ी, जिससे विशेषज्ञ इसे होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संभावित समुद्री संकट से जोड़कर देख रहे हैं। रूस ने इन हमलों को अपनी समुद्री सुरक्षा और व्यापार पर सीधा हमला बताते हुए यूक्रेन पर 'आतंकवादी गतिविधियों' का आरोप लगाया है। दूसरी ओर, यूक्रेन का कहना है कि

उसका लक्ष्य रूस की तथाकथित 'शैडो फ्लीट' को निष्क्रिय करना है, जिसका उपयोग क्रीमिया और दक्षिणी मोर्चे तक ईंधन तथा सैन्य रसद पहुंचाने में किया जा रहा है।

▪ तेल और अनाज आपूर्ति पर असर: एजोव सागर रूस के लिए केवल सामरिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। इसी मार्ग से रूस के लगभग एक-चौथाई अनाज निर्यात और बड़ी मात्रा में तेल एवं पेट्रोलियम उत्पादों की ढुलाई होती है। यूक्रेनी हमलों के कारण छोटे टैंकरों और मालवाहक जहाजों का संचालन बाधित हुआ है, जिससे क्रीमिया तक ईंधन पहुंचाने और काला सागर में बड़े टैंकरों तक तेल पहुंचाने की व्यवस्था प्रभावित हुई है। यूक्रेन के ड्रोन बलों के कमांडर मेजर रॉबर्ट ब्रोवदी के अनुसार, अभियान का उद्देश्य जहाजों को डुबोना नहीं, बल्कि उन्हें परिचालन से बाहर करना है ताकि रूस की समुद्री आपूर्ति श्रृंखला कमजोर पड़े। यूक्रेन का दावा है कि हालिया हमलों में तेल टैंकर, मालवाहक जहाज और टगबोट भी निशाने पर रहे।

▪ बढ़ी वैश्विक चिंता: समुद्री व्यापार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि एजोव सागर में यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर केवल रूस-यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रहेगा।

काला सागर क्षेत्र से होने वाले अनाज और ऊर्जा निर्यात पर भी दबाव बढ़ सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार प्रभावित होने की आशंका है। इसी कारण कई वैश्विक शिपिंग कंपनियां सुरक्षा स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

आईसीसी वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में अक्षर पटेल टॉप-10 में, तीन पायदान की छलांग

नौवें स्थान पर आए, शुभमन गिल बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 से सिर्फ 11 अंक दूर

एजेंसी। दुबई

भारत के स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में शानदार छलांग लगाते हुए पहली बार शीर्ष-10 ऑलराउंडरों में जगह बना ली है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में मैच जिताऊ प्रदर्शन के बाद अक्षर तीन स्थान की बढ़त के साथ नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

उन्होंने बर्मिंघम वनडे में 57 रन की नाबाद पारी खेलने के साथ चार विकेट भी लिए थे और 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने गए थे। इस प्रदर्शन का उन्हें ताजा रैंकिंग में सीधा फायदा मिला। आईसीसी की बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल भी शीर्ष स्थान के बेहद करीब पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 80 रन की पारी के बाद उनके रेटिंग अंकों में बढ़ोतरी हुई है और अब वह नंबर-1 बल्लेबाज डेरिल मिचेल से केवल 11 रेटिंग अंक पीछे हैं। यदि गिल अगले दो वनडे में बड़ी पारियां खेलते हैं तो उनके शीर्ष स्थान पर पहुंचने की संभावना मजबूत हो सकती है।

▪ भारतीय खिलाड़ियों को मिला फायदा: ताजा रैंकिंग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने भी वापसी करते हुए गेंदबाजों की सूची में 24वां स्थान हासिल किया है। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी और ऑलराउंडर दोनों रैंकिंग में सुधार मिला है। इंग्लैंड के जो रूट और लियाम डॉसन ने भी बल्लेबाजी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

भारत ने पहला वनडे जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अब क्रिकेट प्रेमियों की नजर अगले मुकाबलों पर रहेगी, जहां गिल के पास नंबर-1 बल्लेबाज बनने और अक्षर पटेल के पास ऑलराउंडर रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत करने का मौका होगा।

हांगकांग में पांच बुकसेलर्स गिरफ्तार 'देशद्रोही' किताबें बेचने का आरोप

▪ दो स्वतंत्र बुकस्टोर्स पर छापेमारी, सरकार और न्यायपालिका के खिलाफ नफरत फैलाने वाली सामग्री बेचने का दावा

एजेंसी। हांगकांग

हांगकांग की राष्ट्रीय सुरक्षा पुलिस ने दो स्वतंत्र बुकस्टोर्स पर छापेमारी कर पांच बुकसेलर्स को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत कथित रूप से 'देशद्रोही मंशा' वाली किताबें बेचने और प्रदर्शित करने का आरोप लगाया गया है।

पुलिस का कहना है कि इन पुस्तकों में हांगकांग सरकार, न्यायपालिका और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ नफरत भड़काने वाली सामग्री थी। कार्रवाई सीमा शुल्क

विभाग से मिली सूचना के बाद की गई, जिसमें विदेश से आई पुस्तकों की खेप में संदिग्ध सामग्री मिलने की बात कही गई थी।

कार्रवाई के दौरान 'हैव अ नाइस स्टे' और 'ग्रीनफील्ड बुक स्टोर' से बड़ी संख्या में किताबें और अन्य सामग्री जब्त की गई। यह वर्ष 2026 में स्वतंत्र बुकस्टोर्स के खिलाफ तीसरी बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। संबंधित बुकस्टोर पहले ही आर्थिक कठिनाइयों और कानूनी अनिश्चितता के कारण बंद होने की घोषणा कर चुका था।

▪ बढ़ी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बहस: मानवाधिकार संगठनों और लोकतंत्र समर्थक समूहों ने इन गिरफ्तारियों पर चिंता जताते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बढ़ता दबाव बताया है। वहीं, हांगकांग सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा कानून केवल उन मामलों में लागू किया जाता है, जहां देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाली गतिविधियां सामने आती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून और 2024 के नए सुरक्षा प्रावधानों के बाद हांगकांग में कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं, मीडिया संस्थानों और स्वतंत्र प्रकाशकों के खिलाफ कार्रवाई हो चुकी है। ताजा घटनाक्रम के बाद एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रताओं के बीच संतुलन को लेकर बहस तेज हो गई है।

व्यापार

इंग्लैंड 85 मिनट तक बढ़त पर रहा, लेकिन मेसी के दो असिस्ट से सात मिनट में पलटा मैच

अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार फुटबॉल विश्व कप के फाइनल में

▪ स्पेन से होगी खिताब के लिए भिड़ंत

एजेंसी। अटलांटा

गत चैंपियन अर्जेंटीना ने रोमांचक वापसी करते हुए इंग्लैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली। अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में इंग्लैंड 85वें मिनट तक 1-0 से आगे था, लेकिन लियोनेल मेसी के शानदार खेल ने मुकाबले का रुख पलट दिया। आखिरी सात मिनट में अर्जेंटीना ने दो गोल दागकर इंग्लैंड का फाइनल में पहुंचने का सपना तोड़ दिया। अब फाइनल में अर्जेंटीना का मुकाबला स्पेन से होगा।

पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला रहा और कोई भी गोल नहीं हो सका। दूसरे हाफ

के 55वें मिनट में एंथनी गॉर्डन ने गोल कर इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। इसके बाद इंग्लैंड ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई, लेकिन अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बनाए रखा। 85वें मिनट में लियोनेल मेसी के पास पर एंजो फर्नांडेज ने शानदार गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद इंजुरी टाइम के दूसरे मिनट में मेसी के सटीक क्रॉस पर स्थानापन्न खिलाड़ी लाउतारो मार्टिनेज ने विजयी हेडर लगाकर अर्जेंटीना को 2-1 से आगे कर दिया। दोनों गोल में मेसी ने निर्णायक असिस्ट किए।

मेसी ने रचा नया इतिहास

39 वर्षीय लियोनेल मेसी ने भले ही गोल नहीं किया, लेकिन दोनों गोल में असिस्ट देकर मैच के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी साबित हुए। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए। मौजूदा विश्व कप में उनके खाते में अब आठ गोल और चार असिस्ट दर्ज हो चुके हैं, जिससे वह गोल्डन बूट की दौड़ में भी सबसे आगे हैं।

इंग्लैंड का सपना फिर टूटा

इंग्लैंड की टीम 1966 के बाद पहली बार विश्व कप फाइनल में पहुंचने के बेहद करीब थी, लेकिन अंतिम क्षणों में रक्षात्मक रणनीति उस पर भारी पड़ गई। अर्जेंटीना ने एक बार फिर दबाव की परिस्थितियों में शानदार वापसी कर अपनी चैंपियन टीम होने का परिचय दिया। अब रविवार को होने वाले फाइनल में उसकी भिड़ंत यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगी, जबकि इंग्लैंड तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस का सामना करेगा।

लुधियाना में निकली भगवान जगन्नाथ जी की 30वीं भव्य रथयात्रा, हजारों श्रद्धालुओं ने खींचा रथ, जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंजा महानगर

भगवान जगन्नाथ, बलदेव व सुभद्रा ने रथ पर दिए भक्तों को दर्शन, हजारों ने लिया आशीर्वाद

लक्की भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज

इस्कॉन लुधियाना एवं भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव कमेटी की ओर से भगवान जगन्नाथ जी की 30वीं विशाल रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई बलदेव और बहन सुभद्रा के साथ भव्य रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करते हुए श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। हजारों भक्तों ने रथ की रस्सियां खींचकर पुण्य प्राप्त किया। इस अवसर पर दलित विकास बोर्ड के चेयरमैन विजय दानव, एडवोकेट बिक्रम सिद्धू, राशि अग्रवाल, भूपिंदर बसंत, अनूप थापर, कंवल पाहवा, लीना टपारिया, पार्षद पति मनु जैरथ, रिंकू पायलट, मुकेश घई, सुनील भल्ला रोमी आदि शामिल हुए और भगवान जगन्नाथ जी का आशीर्वाद लिया। मार्ग में श्री राधा माधव संकीर्तन मंडल (सेवक सिद्धपीठ) के अश्वनी ग्रोवर, बृज मोहन ढींगरा, विशाल अवस्थी परिकर, इस्कॉन जनपथ, इस्कॉन सिविल लाइंस के वैष्णव वृंदों, वृंदावन से परशुराम, लीजा डावर आदि ने संकीर्तन किया। मार्ग में आरती स्टील, होटल महाराजा रिजेंसी, जिला बार एसो., टैक्सेशनस बार एसो., लुधियाना क्लब, क्लब, न्यू यंग फाइव स्टार क्लब, लुधियाना ज्यूलर्ज एसो. सहित कई संगठनों व श्रद्धालुओं की ओर से विशाल स्वागती मंच लगाए। इस अवसर पर कमेटी के चेयरमैन राजेश ढांडा, प्रधान सतीश गुप्ता, महासचिव एडवोकेट संजीव सूद बांका, सचिव अनिल सलूजा, सुखदर्शन जैन भोला, मदन गोयल, दर्शन लाल लड्डू, विपन सूद काका, राजिन्द्र छाबड़ा ओटाया, हरीश जैरथ बिट्टू, डा. अश्वनी गुप्ता, कैलाश लड्डा, सतीश वर्मा, राजीव वर्मा, अरुण वर्मा, संजय जैन बरनाला, अश्वनी जैन बरनाला, केशव गुप्ता, सुरिन्द्र नैय्यर बिट्टू, संजीव गुप्ता स्टॉक एक्सचेंज, राजेश जैन बॉबी, बिट्टू गुम्बर, हनी वर्मा, लोकेश सूद, बसंत कुमार, पार्षद प्रदीप शर्मा गैबी, वरिन्द्र शर्मा बॉबी, अवी मल्होत्रा, बनवारी हरजाई, गोल्डी सभ्रवाल, अभय सूद काका, अमर सचदेवा, लक्की चोपड़ा, मुनीश महाजन, नरेश देवगण, हनी वर्मा, वरिंदर शर्मा बॉबी, देवनाथ, केशव गुप्ता, मधुसूदन सूद, कैलाश लड्ढा, भूषण गोरा, वासु निझावन आदि उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ मंदिर समिति, जगन्नाथ पुरम चंद्र नगर की ओर से भगवान श्री जगन्नाथ जी की पारंपरिक रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया। रथयात्रा का शुभारंभ मंदिर से हुआ, जहां सोने के झाड़ू से रथ सफाई की परंपरा निभाई गई। यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री गुंडिचा मंदिर पहुंची। 17 से 23 जुलाई तक संकीर्तन और भजन संध्या आयोजित होंगी, जबकि 24 जुलाई को बाहुड़ा रथयात्रा और भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

गलाडा की नाक के नीचे खेल, वैष्णवी एस्टेट में नियमों की अनदेखी का आरोप

राहुल शर्मा | लुधियाना
समर न्यूज

पंजाब सरकार के अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई के दावों के बीच गलाडा क्षेत्र में नियमों की अनदेखी के आरोप सामने आ रहे हैं। कई जगह बिना लाइसेंस, सीएलयू, ले-आउट प्लान और विभागीय मंजूरी के प्लॉट बेचे जा रहे हैं तथा निर्माण कार्य जारी हैं। वैष्णवी एस्टेट को लेकर स्थानीय लोगों ने सवाल उठाए कि इतनी बड़ी गतिविधियां विभाग की नजरों से कैसे बची हैं। अवैध कॉलोनियों के कारण सरकार को सीएलयू, लाइसेंस फीस और अन्य विकास शुल्क के रूप में करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

गलाडा के जेई अमरजीत सिंह ने बताया कि संबंधित कॉलोनियों के खसरा नंबर तहसील विभाग को भेजे गए हैं, ताकि रजिस्ट्रियों पर रोक लगाई जा सके। उन्होंने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिविल अस्पताल के एसएमओ सरीन के प्रयासों से सुधरी व्यवस्था

सहजप्रीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

अखिल सरीन

सिविल अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और आरामदायक माहौल उपलब्ध करवाने के लिए लगातार सुधार कार्य किए जा रहे हैं। 17 सितंबर 2025 को बतौर एसएमओ (सीनियर मेडिकल ऑफिसर) पद संभालने वाले अखिल सरीन ने बताया कि कार्यभार संभालने के बाद अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि करीब एक साल पहले जब उन्होंने अस्पताल की जिम्मेदारी संभाली थी तो सफाई व्यवस्था में कई कमियां थीं। परिसर में जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हुए थे, जिसके चलते मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। इसके बाद स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए विशेष ध्यान दिया गया, जिसके बेहतर परिणाम सामने आए। अखिल सरीन ने बताया कि पंजाब के विभिन्न जिलों में काया कल्प टीम की ओर से अस्पतालों का निरीक्षण किया गया था, जिसमें लुधियाना सिविल अस्पताल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। अस्पताल परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए करीब 1000 पौधे लगाए गए हैं। मरीजों की सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्डों की संख्या बढ़ाई गई है। वहीं, स्वच्छ पेयजल के लिए वाटर कूलर लगाए गए हैं और गर्मी से राहत के लिए एसी सुविधाओं को भी बेहतर किया गया है। उन्होंने बताया कि मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जच्चा-बच्चा वार्ड को मजबूत किया जा रहा है और भविष्य में करीब 100 अतिरिक्त बेड बढ़ाने की योजना है। एसएमओ ने कहा कि लक्ष्य है कि सरकारी अस्पताल में मरीजों को स्वच्छ, सुरक्षित और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

पीने को आरओ का फिल्टर पानी।

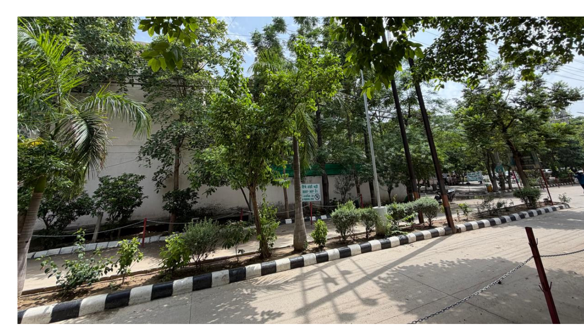
सफाई और हरियाली से भरपूर सिविल अस्पताल।

न्यूज ब्रीफ

बच्चे को कुचलने के मामले की जांच शुरू

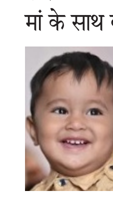

लुधियाना| कोहाड़ा क्षेत्र के गांव शालू भैणी में बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में 3 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई थी। जानकारी के अनुसार बच्चा अपनी मां के साथ बड़ी बहन को स्कूल बस में बैठाने आया था, तभी निजी स्कूल बस ने उसे कुचल दिया। हादसे में बस के दोनों टायर बच्चे के ऊपर से गुजर गए। घटना के बाद चालक बस लेकर फरार होने की कोशिश करने लगा, लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव में शोक का माहौल है।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

सहजप्रीत सिंह/लुधियाना/समर न्यूज| विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के अवसर पर एसपीएस हॉस्पिटल्स ने आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी के महत्व को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। अस्पताल ने एडवांस्ड प्लास्टिक सर्जरी क्लिनिक के तहत जल्द कई विशेषज्ञ विभाग शुरू करने की घोषणा की। डॉ. अजय अब्रोल ने बताया कि प्लास्टिक सर्जरी अब केवल सौंदर्य तक सीमित नहीं, बल्कि ट्रॉमा, जलने की चोट, पुनर्निर्माण, डायबिटिक फुट और जटिल घावों के उपचार में भी महत्वपूर्ण है। डॉ. सनदीप कौर और डॉ. इश कुमार गर्ग ने आधुनिक तकनीकों व मल्टीडिसिप्लिनरी टीम की भूमिका पर प्रकाश डाला। एसपीएस हॉस्पिटल्स 21 वर्षों से स्वास्थ्य सेवाएं दे रहा है।

नया टेंडर नहीं हुआ जारी, रेलवे स्टेशन की तीनों पार्किंगों में बिगड़ी व्यवस्था

सुनील शिंगार | लुधियाना
समर न्यूज

लुधि व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह अव्यवस्थित हो गई है। पार्किंग का ठेका करीब 10 दिन पहले समाप्त हो चुका है, लेकिन अभी तक नया ठेका आवंटित नहीं किया गया। इसका सीधा असर स्टेशन पर आने वाले वाहन मालिकों पर पड़ रहा है।

लोग अपने वाहनों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, क्योंकि पार्किंग में वाहन बिना किसी ठेकेदार व्यवस्था के खड़े हैं। फिरोजपुर मंडल के डीआरएम राजेश कुमार ने बताया कि पार्किंग के लिए दो बार टेंडर जारी किए गए थे, लेकिन किसी कारणवश प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। उन्होंने दावा किया कि पार्किंग की सुरक्षा के लिए रेल कर्मचारियों को तैनात किया गया है और व्यवस्था सुरक्षित है। वहीं, जीआरपी लुधियाना के प्रभारी जतिंदर सिंह ने कहा कि पार्किंग लावारिस हालत में पड़ी है, जिससे किसी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में रेलवे अधिकारियों को कई बार मौखिक और लिखित रूप से अवगत करवाया गया है। ठेका समाप्त होने से रेलवे को प्रतिदिन करीब 70 हजार रुपये और महीने में लगभग 2.10 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

तीनों पार्किंगों में वाहन चालक परेशान हैं। इससे पहले ऐसी स्थिति में रेलवे ने टिकट चेकिंग स्टाफ को अस्थायी जिम्मेदारी देकर व्यवस्था संभाली थी, लेकिन इस बार कोई वैकल्पिक प्रबंध नहीं किया गया है।

सीटी यूनिवर्सिटी में 'इन्फ्लुएंसर्स अवॉर्ड्स 2026' का आयोजन

▪ 30 से अधिक डिजिटल क्रिएटर्स सम्मानित

समर न्यूज | लुधियाना

रचनात्मकता, नवाचार और डिजिटल प्रभाव का जश्न मनाते हुए सीटी यूनिवर्सिटी ने 'इन्फ्लुएंसर्स अवॉर्ड्स 2026' का आयोजन किया। समारोह में क्षेत्र के 30 से अधिक प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर्स, कलाकारों और डिजिटल पर्सनैलिटीज को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में एसपी लुधियाना रूरल राजन शर्मा, लुधियाना की मेयर इंदरजीत कौर और पंजाबी गायक सिप्पी गिल विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान एंटरटेनमेंट, कॉमेडी, डांस, म्यूजिक और परफॉर्मेंस सहित विभिन्न श्रेणियों में बेहतर कार्य करने वाले क्रिएटर्स को अवॉर्ड प्रदान किए गए।

सम्मानित होने वालों में सैम नरूला, रीत नरूला, साजन जगपालपुरिया, तान्या अरोड़ा, जसनूर धवन, मुस्कान खानेजा, हरकीरत सिंह, करमनजोत सिंह और प्रिशा शर्मा सहित कई डिजिटल क्रिएटर्स शामिल रहे। इसके अलावा सीटी यूनिवर्सिटी के छात्र क्रिएटर्स टास्पर (मोगा मोगा गाय) और सुरभि नरूला को भी सम्मानित किया गया।

सीटी यूनिवर्सिटी के चांसलर सरदार चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि डिजिटल क्रिएटर्स नई पीढ़ी के कहानीकार हैं, जो अपनी रचनात्मकता से समाज को नई दिशा दे रहे हैं। मेयर इंदरजीत कौर ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं को प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर प्रो चांसलर डॉ. मनबीर सिंह, वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह, एडवोकेट मंजिंदर कौर और इंजी. दविंदर सिंह सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी मौजूद रहे। सम्मानित क्रिएटर्स ने विश्वविद्यालय का आभार जताते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें और बेहतर व सकारात्मक कंटेंट बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

फिल्लौर में आप संगठन को मजबूत करने पर मंथन

शुभम शर्मा/फिल्लौर/समर न्यूज| आम आदमी पार्टी पंजाब के जॉइंट सेक्रेटरी प्रिंसिपल प्रेम कुमार ने फिल्लौर में पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन रोशन लाल रोशी के निवास पर आयोजित बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा की। बैठक में डॉ. कुलदीप कुमार भी मौजूद रहे। प्रिंसिपल प्रेम कुमार ने कार्यकर्ताओं को पूरी लगन और समर्पण से पार्टी के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने फिल्लौर विधानसभा क्षेत्र के राजनीतिक हालात और संगठन से जुड़े मुद्दों की जानकारी हाईकमान तक पहुंचाने की बात कही। बैठक में पार्टी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

कनाडा में भीषण आग, जगराओं के बुजुर्ग की मौत

दविंदर कुमार/मुल्लांपुर दाखा/समर न्यूज| कनाडा के एडमंटन शहर में तीन मंजिला रिहायशी इमारत में लगी भीषण आग में पंजाब के जगराओं क्षेत्र के गांव आलीवाल निवासी 82 वर्षीय मेजर सिंह की मौत हो गई, जबकि उनकी 80 वर्षीय पत्नी सुरिंदर कौर का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है। परिजनों को आशंका है कि वह भी हादसे का शिकार हो गई हैं। जानकारी के अनुसार, इमारत के पास खड़ी एक कार में गैस रिसाव के कारण आग लगी, जिसने जल्द ही पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। बचने के प्रयास में मेजर सिंह ने तीसरी मंजिल से छलांग लगाई, लेकिन उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रशासन और बचाव दल सुरिंदर कौर की तलाश में जुटे हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद गांव आलीवाल में शोक की लहर फैल गई है। परिवार कनाडा प्रशासन और रिश्तेदारों के संपर्क में है।

पीएम के दौरे से पहले सर्च ऑपरेशन

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 जुलाई को पंजाब दौरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। गुरुवार को लुधियाना रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस, जिला पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चलाया। स्टेशन के प्लेटफार्म, प्रवेश-निकास द्वार, वेटिंग रूम, पार्किंग और अन्य संवेदनशील स्थानों की जांच की गई। यात्रियों के सामान की तलाशी लेने के साथ डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते की मदद भी ली गई। पुलिस ने बताया कि यह कासो अभियान का हिस्सा है और आने वाले दिनों में भी सुरक्षा जांच जारी रहेगी।

माई भारत पोर्टल से युवाओं को जोड़ने की मुहिम

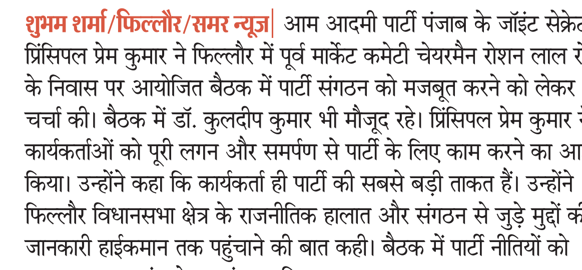

राजवीर बक्शी/लुधियाना/समर न्यूज| युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और 'मेरा युवा भारत (माई भारत)' पोर्टल पर पंजीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए बचत भवन में जिला सलाहकार समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने की। उन्होंने 'इंटेंसिव यूथ रजिस्ट्रेशन ड्राइव' पोस्टर जारी कर उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को सम्मानित किया। डीसी ने विभागों, शिक्षण संस्थानों और युवा संगठनों को मिलकर अभियान सफल बनाने के निर्देश दिए। माई भारत पोर्टल युवाओं को कौशल विकास, समाज सेवा और सरकारी योजनाओं से जोड़ता है।

'सतलुज' दिखाना जारी रहेगा:शिअद महिला विंग

दविंदर कुमार/मुल्लांपुर दाखा/समर न्यूज| ओटीटी से फिल्म 'सतलुज' हटाए जाने के बाद शिरोमणि अकाली दल ने इसे गांव-गांव बड़े पर्दे पर दिखाने का फैसला किया है। हलका दाखा में महिला विंग की बैठक जिला प्रधान किरणदीप कौर और चरणजीत कौर दियोल की अगुवाई में हुई। नेताओं ने कहा कि फिल्म शहीद जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और पंजाब के काले दौर की सच्चाई को दर्शाती है। पार्टी ने हर गांव तक फिल्म पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय की हैं। और अकाली दल महिला विंग की ओर से पौधे भी लगाए गए।

आस्था | भोलेनाथ की भक्ति में डूबेगा मुक्तिधाम चहिलां

सावन के महीने में सोमवार पर मंदिर में होंगे भव्य धार्मिक कार्यक्रम

लक्की भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज

श्री मुक्तेश्वर महादेव शिव मंदिर, मुक्तिधाम, चहिलां (समराला) में हर साल की तरह इस बार भी सावन महीने को समर्पित धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किए जाएंगे।

इस संबंध में मंदिर कमेटी की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रधान चन्दर मोहन शर्मा और बलविंदर तगड़ ने बताया कि सावन का महीना भगवान भोलेनाथ की भक्ति के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस महीने के दौरान अमरनाथ यात्रा, मनीमहेश यात्रा और माता जी के गुप्त नवरात्रे देश भर में बड़ी श्रद्धा और धूमधाम से मनाए जाते हैं। उन्होंने सभी संगत से आग्रह किया कि वे मंदिर में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें। मंदिर कमेटी के सेवाकार नील कमल शर्मा ने बताया कि 28 जुलाई को श्री हनुमान सेवक परिवार द्वारा सुंदरकांड पाठ कराया जाएगा। इसके अलावा सावन महीने के हर सोमवार नीलम वर्मा परिवार के सहयोग से विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन अवसरों पर मीना रानी कीर्तन मंडली (माचीवाड़ा), रानी शर्मा कीर्तन मंडली (दोराहा), दर्शना ग्रोवर (श्री दुर्गा शक्ती मंदिर, माचीवाड़ा साहिब) और निधि वर्मा कीर्तन मंडली (खन्ना) द्वारा भगवान शिव के भजन और माता रानी की भेंटें पेश की जाएंगी। मंदिर के मुख्य पुजारी सुरेश गुरु जी ने कहा कि सावन महीने के दौरान भगवान शिव की सच्चे मन से उपासना करने और सोमवार के व्रत रखने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

इस अवसर पर राजवीर नंदा, जय प्रकाश शर्मा, रजिंदर अरोड़ा, मनोज शर्मा, गुलशन कुमार, कमल चीन, अजे कुमार, काली मास्टर, जनगरा जी, बलदेव शर्मा, आलसी भगत सहित मंदिर कमेटी के सदस्य और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

जेसीआई लुधियाना सेंट्रल बना जेसीआई इंडिया का दूसरा सबसे बड़ा लोकल ऑर्गेनाइजेशन

लुधियाना| जेसीआई इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरपीपी भरत एन. आचार्य के जोन-1 दौरे के दौरान जेसीआई लुधियाना सेंट्रल ने बड़ी उपलब्धि हासिल की। 14 जुलाई को आयोजित मल्टी एलओ मीट में 200 सदस्यों के साथ संगठन को जेसीआई इंडिया का दूसरा सबसे बड़ा लोकल ऑर्गेनाइजेशन बनने पर गोल्डन कॉलर और जेसीआई पिन से सम्मानित किया गया। अध्यक्ष जेएफएम एडवोकेट सिमरनप्रीत सिंह ने उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। 15 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान जेसीआई ने मेगा सस्टेनेबल सिपिंग प्रोजेक्ट के तहत श्रमिकों को 500 स्टील पानी की बोतलें वितरित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह। एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु। मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। *समाचार चयन के लिए PRP एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र लुधियाना होगा। RNI No. CHMUL/25/A1155